epaper.dehatsandesh.com

3 भलवाल में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर, 700 से अधिक मरीजों ने कराई जांच

5 उम्मीद है कि एशेज के पांचों टेस्ट में खेलूंगा: पीठ की समस्या से जूझ रहे पैट कमिंस ने दिया बयान

8 करेला : एक मुनाफे की खेती

मौसम जम्मू — न्यूनतम 23 — अधिकतम 27

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष 22, जम्मू तवी, अंक 233 | जम्मू तवी, रविवार 21 सितम्बर 2025 | मूल्य- 3 रूपये (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

जीएसटी में कमी की वजह से त्योहारों के दौरान बाजारों में रौनक बढ़ने वाली है: मोदी

भावनगर, 20 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कमी कर दिये जाने से इस वर्ष त्यौहारों के दौरान बाजारों में रौनक बढ़ने वाली है और नवरात्र उत्सव के माहौल में वह आज समुद्र से समृद्धि का महोत्सव मना रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि वह ऐसे समय में भावनगर आये हैं, जब नवरात्र का पावन पर्व शुरू होने वाला है। जीएसटी में कमी की वजह से इस बार त्योहारों के दौरान बाजारों में रौनक और भी ज्यादा रहने वाली है। प्रधानमंत्री ने भावनगर में एक भव्य रोड शो किया और 34,200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, भावनगर के भाइयों, मुझे माफ करना, मुझे हिन्दी में इसलिए बोलना पड़ रहा है, क्योंकि देशभर के लोग इसमें जुड़े हुये हैं। देशभर के लाखों लोग जब कार्यक्रम में जुड़े हुए हों, तो आपसे क्षमा मांगकर मुझे हिन्दी में ही बात करनी पड़ेगी। 卐

उन्होंने कहा, अपने भावनगर ने धूम मचा दी है, मैं यहां देख रहा हूं कि पंडाल के बाहर मानव समुद्र दिख रहा है। इतनी बड़ी संख्या में आप सब आशीर्वाद देने आये, मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूं। ये कार्यक्रम तो भावनगर में हो रहा है, लेकिन ये कार्यक्रम पूरे हिन्दुस्तान का है। आज भावनगर निमित्त है और पूरे भारत में समुद्र से समृद्धि की ओर जाने की हमारी दिशा क्या है, उसके लिए आज इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का केंद्र भावनगर चुना गया है। गुजरात के लोगों को, भावनगर के लोगों को बहुत-बहुत बधाई। प्रधानमंत्री ने कहा, अभी 17 सितंबर को आप सबने अपने नरेन्द्र को जो शुभकामनायें भेजी हैं, देश और दुनिया से जो शुभकामनायें मुझे मिली हैं, व्यक्तिगत तौर पर सबका धन्यवाद करना संभव नहीं है, लेकिन भारत के कोने-कोने से और विश्व भर से ये जो प्यार मिला है, ये जो आशीर्वाद मिले हैं, ये मेरी बहुत बड़ी संपति है, ये मेरी बहुत बड़ी ताकत है और इसलिए सार्वजनिक रूप से मैं आज देश और दुनिया के सभी महानुभावों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी अगले हफ्ते करेंगे जम्मू-कश्मीर का दौरा

जम्मू,, 20 सितंबर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते, 22 सितंबर से शुरू होने वाले नवरात्र के दौरान, जम्मू और कश्मीर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर सकते हैं। उनका यह दौरा हाल की अप्रत्याशित भारी बारिश के कारण हुए नुकसान का आकलन करने के लिए होगा, जिसने जम्मू और कश्मीर दोनों क्षेत्रों को प्रभावित किया है।

उच्च स्तरीय सूत्रों के अनुसार, इस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी जम्मू-कश्मीर की प्रभावित आबादी के लिए एक बड़ा राहत पैकेज भी घोषित कर सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर में वीवीपी के कार्यान्वयन हेतु प्रभावी कार्ययोजना तैयार करें : मुख्य सचिव

श्रीनगर, 20 सितंबर । मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने यहाँ वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम-II (वीवीपी-II) की कार्यान्वयन रणनीति की व्यापक समीक्षा करते हुए संबंधितों से इसे निर्धारित समय-सीमा में लागू करने हेतु एक प्रभावी रणनीति तैयार करने पर ज़ोर दिया।

यह कार्यक्रम रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सीमावर्ती गाँवों के व्यापक विकास के उद्देश्य से एक केंद्र द्वारा वित्त पोषित पहल है। वित्तीय वर्ष 2024-25 से 2028-29 के लिए 6,839 करोड़ रुपये के कुल बजट के साथ यह कार्यक्रम 2047 के लिए विकसित भारत के विजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

बैठक में एसीएस योजना के अलावा केपीडीसीएल के एमडी; आरएंडबी विभाग के प्रतिनिधि, बीएसएनएल के प्रतिनिधि और संबंधित डीसी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।

वीवीपी-II पहल उन 15 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के गाँवों को कवर करेगी जो अंतर्राष्ट्रीय भूमि सीमाएँ साझा करते हैं। जम्मू-कश्मीर में यह कार्यक्रम बारामूला, बांदीपोरा, कुपवाड़ा, जम्मू, सांबा, कठुआ, राजौरी और पुंछ सहित 8 सीमावर्ती जिलों के 43 ब्लॉकों में रणनीतिक रूप से चयनित 124 गाँवों में लागू किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने संबंधित उपायुक्तों द्वारा अंतराल विश्लेषण करने के बाद प्रत्येक जिले में पाई गई कमियों का विषयवार मूल्यांकन किया। उन्होंने

संबंधितों को प्राथमिकता के आधार पर इन सभी कमियों को पाटने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का निर्देश दिया।

उन्होंने उपायुक्तों को प्रत्येक गाँव के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों के माध्यम से इन सभी कमियों वाले क्षेत्रों का पता लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि बिजली के लिए आरडीएसएस योजना का लाभ उठाया जा सकता है सड़क संपर्क के लिए पीएमजीएसवाई, आजीविका के अवसरों के लिए एनआरएलएम, मिशन युवा, एचएडीपी, केसीसी, पीएमईजीपी, आरईजीपी जैसी योजनाओं पर विचार किया जाना चाहिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इन पहलों को समृद्ध बनाना हमारा साझा लक्ष्य होना चाहिए।

वीवीपी के कार्यान्वयन पर बोलते हुए अतिरिक्त मुख्य सचिव (योजना), आशीष चंद्र वर्मा ने बताया कि निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए व्यापक विकास हेतु एक त्रि-आयामी रणनीति तैयार की गई है।

उन्होंने आगे कहा कि कार्यक्रम की रणनीति सीमावर्ती गाँवों में बेहतर जीवन स्तर बनाने और आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिए तैयार की गई है। यह कार्यक्रम यह सुनिश्चित करेगा कि मौजूदा केंद्रीय और केंद्र शासित प्रदेश की योजनाएँ सीमावर्ती ब्लॉकों के सभी 1,421 गाँवों तक पहुँचें और चार प्रमुख विषयगत क्षेत्रों - आजीविका के अवसर, स्वास्थ्य अवसंरचना, शिक्षा सुविधाएँ और वित्तीय समावेशन पर ध्यान केंद्रित करें।

इसमें पर्यटन को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक कार्यक्रम और जागरूकता अभियान आयोजित करना, और चिकित्सा एवं पशु चिकित्सा शिविर लगाना शामिल है।

मलेरिया और अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए थर्मल फॉगिंग और छिड़काव अभियान तेज़

जम्मू, 20 सितंबर । जम्मू नगर निगम (जेएमसी) के आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने आज शहर भर में चल रहे थर्मल फॉगिंग और छिड़काव अभियान की समीक्षा की जिसका उद्देश्य डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी वेक्टर जनित बीमारियों के प्रसार को रोकना है। आयुक्त ने दोहराया कि नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण की सुरक्षा जम्मू नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है और उन्होंने सभी स्तरों पर निरंतर और समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

संवेदनशील, जलभराव वाले और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जहाँ मच्छरों के प्रजनन का खतरा अधिक रहता है अभियान तेज़ करने के लिए क्षेत्रीय टीमों को निर्देश देते हुए डॉ. यादव ने निवासियों से अपने आस-पास के वातावरण को साफ़ रखने, घरेलू बर्तनों, ओवरहेड टैंकों और खुली नालियों में पानी जमा होने से बचने और जमा पानी को अच्छी तरह से ढककर अपना सहयोग देने की अपील की। उन्होंने नागरिकों को मच्छरदानी, मच्छर भगाने वाली दवाओं का उपयोग करने और काटने से बचने के लिए पूरी बाजू के कपड़े पहनने जैसी निवारक सावधानियों को अपनाने की सलाह दी।

मुंबई की महिला की गोली लगने से मौत मामले में तीन पुलिस अधिकारी निलंबित

जम्मू, 20 सितंबर । सैनिक कॉलोनी क्षेत्र में पिछले महीने हुई मुंबई की महिला की हत्या और दो अन्य के घायल होने के मामले में लापरवाही बरतने पर तीन पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। इनमें थाना प्रभारी छन्नी हिम्मत इंस्पेक्टर दीपक पठानिया, पुलिस चौकी सैनिक कॉलोनी इंचार्ज एसआई वसीम भट्टी और एसआई रोहित शर्मा शामिल हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार जांच में यह खुलासा हुआ कि 30 वर्षीय मेहजाबीन अकील शेख निवासी वेस्ट मालाड (मुंबई) की मौत गोली लगने से हुई थी जबकि शुरुआत में इसे सड़क हादसा बताया गया था।

गौरतलब है कि 21 अगस्त को मेहजाबीन अकील शेख, उसकी बहन फातिमा अकील (21) और लुधियाना निवासी जसप्रीत कौर (28) को दो लोग नवीन बक्शी और सुरिंदर पाल जेके मेडिसिटी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। उन्होंने डॉक्टरों को बताया था कि तीनों महिलाएं रिंग रोड पर एक सड़क हादसे में घायल हुई हैं।

सूत्रों ने बताया कि बक्शी और पाल सैनिक कॉलोनी क्षेत्र में फिजियोथेरेपी सेंटर चलाते हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच जारी है और पुलिस अधिकारियों के निलंबन से यह संकेत मिला है कि अब लापरवाही को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर ने पिछले पाँच-छह वर्षों में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है : उपराज्यपाल

श्रीनगर, 20 सितंबर । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर ने पिछले पाँच-छह वर्षों में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है जिसमें सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों ने बेहतर चिकित्सा सुविधाओं में योगदान दिया है।

श्रीनगर में डॉ. अग्रवाल नेत्र चिकित्सालय का उद्घाटन करते हुए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढाँचे के विकास में जम्मू-कश्मीर देश का सबसे विकसित राज्य है। 2019 तक यहाँ केवल चार मेडिकल कॉलेज थे। आज 11 मेडिकल कॉलेज, दो एम्स और एक मज़बूत भारतीय चिकित्सा प्रणाली नेटवर्क है। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की

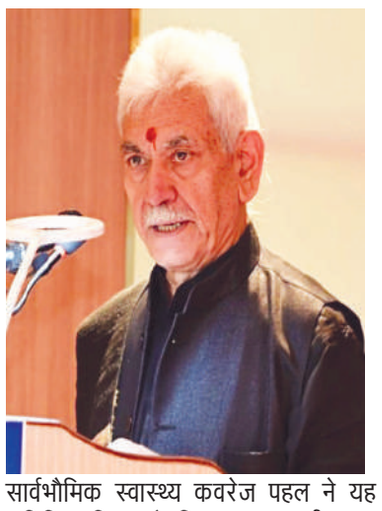

सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज पहल ने यह सुनिश्चित किया है कि जम्मू-कश्मीर का प्रत्येक नागरिक 5 लाख के स्वास्थ्य बीमा का हकदार है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा बुनियादी ढाँचे का तेज़ी से उन्नयन किया गया है। जम्मू और कश्मीर दोनों संभागों में नए सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल, निजी संस्थान और कई मेडिकल कॉलेज खुल रहे हैं। उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नया अस्पताल दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों जैसी नेत्र देखभाल सेवाएँ प्रदान करेगा।उन्होंने संस्थान से सीमावर्ती और ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित रूप से आउटरीच शिविर आयोजित करने का आग्रह किया ताकि वंचित समुदायों को विशेष उपचार प्रदान किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस बुनियादी ढाँचे का उद्देश्य यह है कि जम्मू और कश्मीर के नागरिकों की अच्छी देखभाल हो सके और उनका जीवन स्वस्थ और खुशहाल हो सके।

विशेष ट्रेन बडगाम और कटरा के बीच पड़ते सभी प्रमुख स्टेशनों पर रूकेगी

बनिहाल, 20 सितंबर । बडगाम और श्री माता वैष्णो देवी रेलवे स्टेशन कटरा के बीच विशेष ट्रेन सेवा जिसकी घोषणा इस सप्ताह की शुरुआत में की गई थी और जो 19 सितंबर से शुरू हो गई है, बडगाम और कटरा के बीच पड़ते सभी प्रमुख स्टेशनों पर रूकेगी। यह सेवा 3 अक्टूबर तक चलेगी।

रेलवे अधिकारियों ने कहा कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग की खराब स्थिति और लगातार यातायात को देखते हुए यह अस्थायी सेवा शुरू की गई है।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह विशेष ट्रेन बडगाम, श्रीनगर, अवंतीपोरा, अनंतनाग, काजीगुंड, बनिहाल, खारी, सुंबर, संगलदान, सवालकोट, दुगा, बक्कल, रियासी और कटरा सहित सभी प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। उन्होंने बताया कि इन सभी स्टेशनों पर टिकट उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि बडगाम से श्री माता वैष्णो देवी कटरा का किराया मात्र 50 रुपये है जबकि बनिहाल से कटरा का किराया 30 रुपये है। रेलवे द्वारा जारी समय सारिणी के अनुसार ट्रेन बडगाम से सुबह 8:45 बजे प्रस्थान करती है और सुबह 10:45 बजे बनिहाल पहुँचती है। यह बनिहाल से सुबह 11:00 बजे प्रस्थान करती है और दोपहर 1:30 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्टेशन पहुँचती है और वापसी सेवा दोपहर 1:45 बजे प्रस्थान करती है।

मुख्यमंत्री उमर ने जम्मू-कश्मीर में समान पर्यटन और औद्योगिक विकास की आवश्यकता पर बल दिया

निवेशकों को जम्मू-कश्मीर की अप्रयुक्त संभावनाओं का लाभ उठाने का निमंत्रण दिया

श्रीनगर, 20 सितंबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की पर्यटन सफलता गाथा को सशक्त औद्योगिक विकास से संतुलित करने की आवश्यकता है। उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं से अपील की कि वे जम्मू-कश्मीर को एक व्यवहार्य और आशाजनक निवेश गंतव्य के रूप में देखें।

श्रीनगर में आयोजित भारतीय उद्योग परिसंघ की उत्तरी क्षेत्रीय परिषद 2025-26 की चौथी बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने माना कि हाल के महीनों में मुख्य

ध्यान पर्यटन पर रहा है जबकि औद्योगिक विकास को उतनी प्राथमिकता नहीं मिली। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार इस असंतुलन को दूर करने और जम्मू-कश्मीर में निवेश पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

उन्होंने कहा, पर्यटन हमारी विकास गाथा का एक हिस्सा है, लेकिन दूसरा हिस्सा औद्योगिकीकरण है, जिसे समान ध्यान की आवश्यकता है। चुनौतियों के बावजूद जम्मू-कश्मीर निवेश के लिए आकर्षक स्थल बना हुआ है और हम उद्योगों को यहां काम करना आसान और अधिक लाभदायक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर में चल रहे निवेश और प्रोत्साहन योजनाओं का अवलोकन प्रस्तुत किया और बताया कि जम्मू में कठुआ, सांबा, बड़ी ब्राह्मणा तथा कश्मीर में लस्सीपोरा जैसे औद्योगिक केंद्र पूंजी निवेश के सबसे बड़े आकर्षण बने हुए हैं।

आतंकवादियों से मुठभेड़ में सेना के जवान का सर्वोच्च बलिदान

जम्मू, 20 सितंबर । जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के ऊंचे इलाकों के सेओज धार वन क्षेत्र में सेना और पुलिस के आतंकवादियों की तलाश के लिए संयुक्त अभियान शुरू किए जाने के दौरान हुई मुठभेड़ में गंभीर रूप से घायल एक सैनिक वीरगति को प्राप्त हो गया। यह जानकारी आज सुबह अधिकारियों ने दी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अभियान जारी है। वन क्षेत्र में दो से तीन आतंकवादियों के छुपे होने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि सैनिक शुक्रवार देर शाम उस समय घायल हो गया जब आतंकवादियों ने उधमपुर के डुडू-बसंतगढ़ और डोडा के भद्रवाह इलाके में सेओज धार वन क्षेत्र में सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) के संयुक्त तलाशी दल पर गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि सैनिक को अस्पताल ले जाया गया जहां उसका बलिदान हो गया। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ स्थल के आसपास के इलाके को रात भर कड़ी घेराबंदी में रखा गया और शनिवार सुबह संयुक्त तलाशी अभियान फिर से शुरू हुआ। उन्होंने बताया कि जंगल में दो से तीन आतंकवादियों के छुपे होने की आशंका है। उधमपुर और डोडा दोनों तरफ से ड्रोन और खोजी कुत्तों से लैस अतिरिक्त बल भेजा गया है और अंतिम रिपोर्ट मिलने तक व्यापक तलाशी अभियान जारी था।

पुलिस ने ड्रग तस्कर को हेरोइन के साथ किया गिरफ्तार

जम्मू, 20 सितंबर । पीरमिठा इंस्पेक्टर रज़ा अली के पर्यवेक्षण में चौकी प्रभारी गुज्जर नगर पीएसआई जुल्फिकार अहमद के नेतृत्व में पुलिस दल ने गुज्जर नगर और प्रेम नगर इलाकों में गश्त और नाकाबंदी के दौरान जोगी गेट पार्किंग क्षेत्र के पास प्रेम नगर में पंजीकरण संख्या जेके02सीटी-0704 वाली एक मोटरसाइकिल को रोका। जाँच के दौरान उक्त मोटरसाइकिल सवार दीपक कुमार निवासी गणेश दास अंबरन तहसील अखनूर जिला जम्मू के पास से 05 ग्राम हेरोइ जैसा पदार्थ बरामद किया गया।

इस संबंध में थाना पीर मीठा जम्मू में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21/22 के तहत एफआईआर संख्या 39/2025 दर्ज की गई है। आरोपी को गिरफ्तार कर हिरासत में ले लिया गया है।

बाढ़ और भूस्खलन के बाद हुए नुकसान के आकलन और पुनर्वास उपायों पर हुई समीक्षा बैठक

कठुआ, 20 सितंबर । डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने शनिवार को जिले के विभिन्न हिस्सों में हाल ही में आई बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं के मद्देनजर प्रस्तुत किए गए नुकसान आकलन रिपोर्टों की स्थिति की समीक्षा के लिए संबंधित अधिकारियों की एक बैठक बुलाई। उपायुक्त ने क्षेत्रीय पदाधिकारियों से राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष के निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार यथार्थवादी आकलन करने का आह्वान किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि रिपोर्टें जमीनी हकीकत को दर्शाती हों। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रभावित परिवारों को पर्याप्त राहत प्रदान करने और पुनर्वास कार्यों की

योजना बनाने के लिए समय पर और सटीक रिपोर्टिंग आवश्यक है। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि नुकसान की रिपोर्ट उप-मंडल स्तर पर नामित समितियों के माध्यम से भेजी जाए, जिन्हें आगे की प्रक्रिया के लिए अग्रेषित करने से पहले दावों की जाँच और सत्यापन का कार्य सौंपा गया है। उन्होंने सत्यापन प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने पर जोर दिया। क्षेत्रवार अस्थायी और स्थायी बहाली उपायों पर विचार-विमर्श करते हुए, उपायुक्त ने संबंधित विभागों को यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि जनता की कठिनाई को कम करने के लिए बिजली, पानी की आपूर्ति और सड़क संपर्क जैसी आवश्यक सेवाओं की अस्थायी बहाली जल्द से जल्द पूरी हो।

अनेक चुनौतियों के बावजूद हमारा भारत अखंड, एकजुट और मजबूत : मुख्य न्यायाधीश गवई

बीकानेर, 20 सितंबर । उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने शनिवार को बीकानेर में कहा कि आज हमारे पड़ोसी देश घोर अस्थिरता के दौर से गुजर रहे हैं, लेकिन कई आंतरिक और बाह्य चुनौतियों के बावजूद हमारा भारत अखंड, एकजुट और मजबूत है। इसका श्रेय हमारे संविधान तथा संविधान निर्माताओं को जाता है, जिसमें बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण रही है।

सीजेआई गवई महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में आयोजित संविधान निर्माण के 75 वर्ष और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका विषयक सेमिनार को

संबोधित कर रहे थे।मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा कि देश का संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। इसे लागू हुए हाल ही में 75 वर्ष पूर्ण हुए हैं और हम संविधान का अमृत महोत्सव आयोजित कर रहे हैं। यह संविधान बनाने में बाबा साहेब की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण थी। उनके योगदान को इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित किया जाएगा।

मंडलायुक्त द्वारा थई में एनएच-44 पर बहाली कार्यों और यातायात विनियमन की समीक्षा

उधमपुर, 20 सितंबर। जम्मू के मंडलायुक्त रमेश कुमार ने थार्ड में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 के क्षतिग्रस्त हिस्से का विस्तृत दौरा किया और जारी बहाली कार्यों की प्रगति तथा यातायात संचलन की व्यवस्था की समीक्षा की।

मंडलायुक्त के साथ आईजीपी ट्रैफिक, क्षेत्रीय अधिकारी एनएचएआई, एसएसपी उधमपुर, एसएसपी ट्रैफिक एनएचडब्ल्यू, अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त तथा प्रशासन, पुलिस और एनएचएआई के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दौरे के दौरान मंडलायुक्त ने बहाली कार्यों की स्थिति का जायज़ा लिया, जिनमें सड़क चौड़ीकरण, वॉटर बाउंड समतलीकरण, सुगम यातायात हेतु अतिरिक्त लेन का निर्माण और एनएच-44 की दूसरी ट्यूब की बहाली शामिल है। उन्हें इस मार्ग पर वर्तमान में एक-तरफ़ा यातायात प्रबंधन की स्थिति से भी अवगत कराया गया। मंडलायुक्त ने व्यक्तिगत रूप से यातायात संचालन की निगरानी की और एनएचएआई अधिकारियों को यात्रियों व आम जनता की सुविधा के लिए बहाली कार्य में तेज़ी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने एनएच-44 पर प्रतिदिन गुजरने वाले यातायात का

विवरण लिया और संबंधित अधिकारियों को पत्थर भरकर एक अतिरिक्त लेन तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि वाहनों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने एनएचएआई को निर्देश दिया कि प्रभावित 300 मीटर हिस्से की बहाली को प्राथमिकता पर लेकर अपने प्रयास दोगुने करें और प्रतिदिन यातायात का निर्बाध प्रवाह बनाए रखें।

खूबसूरत ऐतिहासिक शहर

कच्छ

गुजरात विकास के लिए ही नहीं पर्यटन के लिए भी मशहूर है और यहां के कच्छ के बारे में तो कहा जाता है कि कच्छ नहीं देखा तो कुछ नहीं देखा। कच्छ गुजारात का एक खूबसूरत ऐतिहासिक शहर है। कहा जाता है कि अगर कच्छ नहीं देखा तो गुजरात की यात्रा अधूरी है। पर्यटकों को लुभाने के लिए यहां बहुत कुछ है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हर साल कच्छ महोत्सव आयोजित किया जाता है। यहां का ज्यादातर भाग रेतीला और दलदली है।

कच्छ गुजरात का सबसे मशूहर पर्यटक स्थल है। कच्छ में आपको गुजरात की असली छाप देखने को मिलेगी। कच्छ में आपको ऐतिहासिक इमारतें जखाऊ, कांडला और मुन्द्रा बंदरगाह है। जिले में अनेक ऐतिहासिक इमारतें, मंदिर, मस्जिद, हिल स्टेशन और कई खूबसूरत पर्यटन स्थल है। कच्छ में हर साल कच्छ महोत्सव आयोजित किया जाता है। कच्छ का ज्यादातर हिस्सा रेतीला और दलदली है। यहां की सफेद रेत पर चलने का एक अलग ही मजा है।

कच्छ बीच-भुज से करीब 60 किमी। दूर स्थित यह बीच गुजरात के सबसे आकर्षक बीचों में एक माना जाता है। दूर-दूर फैले नीले पानी को देखना और यहां की रेत पर टलहना पर्यटकों को खूब भाता है। साथ की अनेक प्रकार के जलपक्षियों को भी यहां देखा जा सकता है। सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा यहां से बड़ा आकर्षक प्रतीत होता हैं।

कंठकोट किला

एक अलग-थलग पहाड़ी के शिखर पर बने इस किले का निर्माण 8वीं शताब्दी में हुआ था। कहा जाता है कि 1816 में अंग्रेजों ने इस पर अधिकार कर लिया और इसका अधिकांश हिस्सा नष्ट कर दिया। किले के पास ही जैन मंदिर, कंथडनाथ मंदिर और सूर्य मंदिर है।

नारायण सरोवर मंदिर

ये मंदिर भगवान विष्णु के सरोवर के नाम से जाना जाता है। इस स्थान में पांच पवित्र झीलें हैं। इन तालाबों को भारत के सबसे पवित्र तालाबों में गिना जाता है। नारायण सरोवर को हिन्दुओं के अति प्राचीन और पवित्र तीर्थस्थलों में शुमार किया जाता है। श्री त्रिकमरायजी, लक्ष्मीनारायण, गोवर्धननाथजी, द्वारकानाथ, आदिनारायण, रणछोडरायजी और लक्ष्मीजी के मंदिर आकर्षक मंदिरों को यहां देखा जा सकता है।

भद्रेश्वर जैन मंदिर

ये प्राचीन जैन मंदिर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए अति पवित्र माना जाता है। भद्रावती में 449 ईसा पूर्व राजा सिद्धसेन का शासन था। बाद में यहां सोलंकियों का अधिकार हो गया जो जैन मतावलंबी थे। उन्होंनें इस स्थान का नाम बदलकर भद्रेश्वर रख दिया।

कांडला बंदरगाह

यह राष्ट्रीय बंदरगाह देश के 11 सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों में एक है। यह बंदरगाह कांडला नदी पर बना है। मांडवी बंदरगाह यह बंदरगाह कच्छ जिले के सबसे प्राचीन बंदरगाहों में एक है। वर्तमान में मात्र मछली पकडने के उद्देश्य से इसका प्रयोग किया जाता है। यह बंदरगाह देश के 11 सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों में एक है। इस बंदरगाह को महाराव श्री खेनगरजी तृतीय और ब्रिटिश सरकार के सहयोग से 19वीं शताब्दी में विकसित किया गया था।

कच्छ मांडवी बीच

कच्छ मांडवी बीच को गुजरात के सबसे आकर्षक बीचों में से एक माना जाता है। यहां से सूर्योदय और सूर्यास्त का बेहद सुंदर नजारा देखा जा सकता है। यहां पर आपको दूर-दूर तक नीला पानी दिखाने को मिलेगा। इसके अलावा यहां पर कई प्रकार के जलपक्षियों को भी देखा जा सकता है।

जखऊ बंदरगाह

ये बंदरगाह कच्छ जिले के सबसे प्राचीन बंदरगाहों में एक है। अब इस बंदरगाह का इस्तेमाल केवल मछली पकडने के लिए किया जाता है।

धौलावीरा

यहां का पुरातात्विक स्थल हडप्पा संस्कृति का प्रमुख केन्द्र था। भुज से करीब 250 किमी दूर धौलावीरा में हडप्पा संस्कृति फली-फूली थी। यह संस्कृति 2900 ईसा पूर्व से 2500 ईसा पूर्व की मानी जाती है। सिंधु घाटी सभ्यता के अनेक अवशेषों को यहां देखा जा सकता है।

पश्चिमोत्तर कच्छ

यहां कई धार्मिक स्थले हैं। हिन्दू धर्म के पवित्र सरोवरों में से एक नरायण सरोवर, उससे थोड़ी ही दूर पर प्रसिद्ध भगवान शिव और रावण का कोटेश्वर मंदिर

कैसे पहुंचें-

सड़क मार्ग से कच्छ आसानी से जाया जा सकता है। सड़क मार्ग से गुजरात और पड़ोसी राज्यों के कई शहर जुड़े हैं। यहां के लिए राज्य परिवहन और प्राईवेट डीलक्स बसें अनेक शहरों से चलती हैं।

वायु मार्ग- भुज और कांदला दो महत्वपूर्ण एयरपोर्ट हैं।

रेल मार्ग- यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन गांधीधाम और भुज जिले के पास है।

सड़क मार्ग- गुजरात पड़ोसी राज्यों के कई शहर जुड़े हैं। यहां पर जाने के लिए आसानी से बस मिल जाती है।

सुखद अहसास कराता है

गुरुदेव का शांति निकेतन

कोलकाता से 210 किलोमीटर दूर वीरभूम जिले में पड़ने वाला शांतिनिकेतन अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय विश्व भारती के लिए प्रसिद्ध है जिसकी स्थापना गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने की थी। 1863 में महर्षि देवेंद्र नाथ टैगोर द्वारा एक आश्रम के रूप में स्थापित किये गये इस विश्वविद्यालय में देश-विदेश के छात्र कला व संस्कृति की नई ऊंचाइयां छूते हैं।

शांतिनिकेतन में टैगोर की चित्रकला व मूर्तिकला के साथ ही बोस, रामकिंकर, विनोद बिहारी मुखोपाध्याय की कलाकृतियों के दर्शन करना सचमुच एक सुखद अहसास करता है। शांति निकेतन के दर्शनीय स्थलों की बात करें तो आईए आपको सबसे पहले लिए चलते हैं उत्तरायण परिसर में, जहां कि कविगुरु स्वयं रहा करते थे। इसमें उदयन, श्यामली, कोणार्क, पुनश्च तथा उदीचि जैसे कई भवन मौजूद हैं साथ ही इनके अलावा आप ललित कला का कालेज, कला भवन, संगीत भवन, नृत्व व संगीत के कालेज, विद्या भवन, शिक्षा भवन, विनय भवन, हिंदी भवन, चीना भवन आदि भी देख सकते हैं।

शांतिनिकेतन से लगभग तीन किलोमीटर दूर डियर पार्क है। जिसमें आपको हिरण विचरते हुए नजर आएंगे। लोग यहां पिकनिक का आनंद उठाने आते रहते हैं। यहां से 78 किलोमीटर की दूरी पर मासनजोर स्थित है। मयूराक्षी नदी पर बना यहां का बांध आसपास के पहाड़ी सौंदर्य के कारण बहुत ही सुन्दर दिखता है, दूर से आए सैलानियों को तो यह स्थल बहुत ही भाता है। यहां के यूथ होस्टल में ठहरने की भी व्यवस्था है। यहां से लगभग 23 किलोमीटर की दूरी पर ननूर है, जोकि 14वीं सदी के वैष्णव कवि चंडीदास का जन्मस्थल है। यदि आप यहां जाना चाहें तो बोलपुर रेलवे स्टेशन से बस द्वारा यहां एक घंटे में पहुंचा जा सकता है। शांतिनिकेतन से 80 किलोमीटर की दूरी पर स्थित तारापीठ जाने के लिए बोलपुर से रामपुरहाट बस या ट्रेन से जाना पड़ेगा। वैस रामपुरहाट से तारापीठ केवल पांच किलोमीटर दूर है। यहां रामकनाई धर्मशाला भी है जहां आप रूक सकते हैं। तारापीठ के बारे में आपको एक बात बता दें कि यह तांत्रिक अनुष्ठानों के लिए प्रसिद्ध स्थल है।

यहां की प्रसिद्ध वस्तुओं की बात करें तो आप पाएंगे कि यहां हथकरघा के वस्त्र अपनी कलात्मक डिजाइनों के लिए काफी प्रसिद्ध हैं। बोलपुर, सर्वोदय आश्रम, विश्व भारती शिल्प सदन एवं शांतिनिकेतन कोआपरेटिव स्टोर्स से आप इन वस्त्रों की खरीददारी कर सकते हैं।

मौसम के हिसाब से देखें तो इस स्थल की सबसे खास बात यह है कि यहां वर्ष भर में कभी भी जाया जा सकता है। वैसे विश्व भारती विश्वविद्यालय मई-जून तथा सितंबर-अक्टूबर में पूजा की छुट्टियों में बंद रहता है। यदि आप यहां जाने का कार्यक्रम बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको बताए देते हैं कि पश्चिम बंगाल सरकार का पर्यटन विभाग एक रात व दो दिन का पैकेज टुअर पौष मेला के लिए विशेष तौर पर चलाती है। आप इन टुअर पैकेजों के लिए बोलपुर स्टेशन के पर्यटन कार्यालय से संपर्क साध सकते हैं।

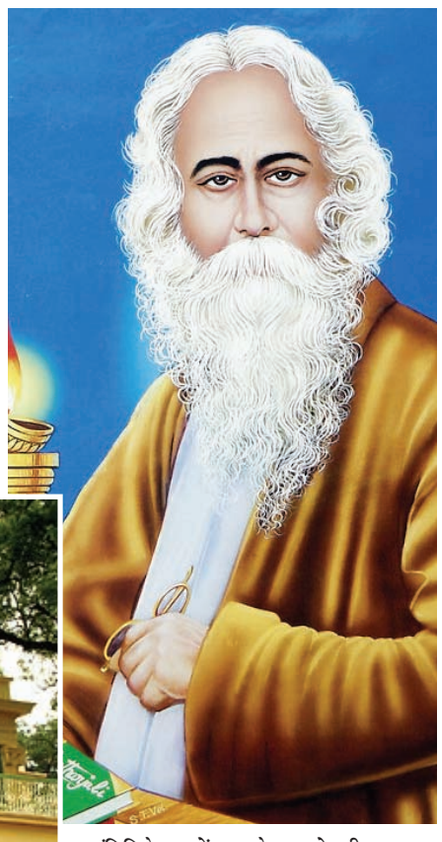

शांतिनिकेतन में आपके ठहरने की व्यवस्था भी आराम से हो सकती है। आप यहां के होटलों में फोन करके एडवांस बुकिंग भी करा सकते हैं या फिर चाहें तो शांतिनिकेतन व बोलपुर में मौजूद सस्ते डाक बंगलों में भी ठहर सकते हैं। इन डाक बंगलों में ठहरने का खर्च प्रति व्यक्ति लगभग पचास से सौ रूपये आता है।

शांतिनिकेतन तक पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन बोलपुर है जो कि यहां से दो किलोमीटर दूर है। आपको बोलपुर तक आने के लिए हावड़ा, सियालदाह व गुवाहाटी से रेल सेवाएं मिल सकती हैं यदि आप सड़क मार्ग से आना चाहें तो कोलकाता के अतिरिक्त दुर्गापुर व सारनाथ से भी सड़क मार्ग से जा सकते हैं। वैसे कोलकाता से शांतिनिकेतन के लिए सरकारी बस सुबह आठ बजे चलती है।

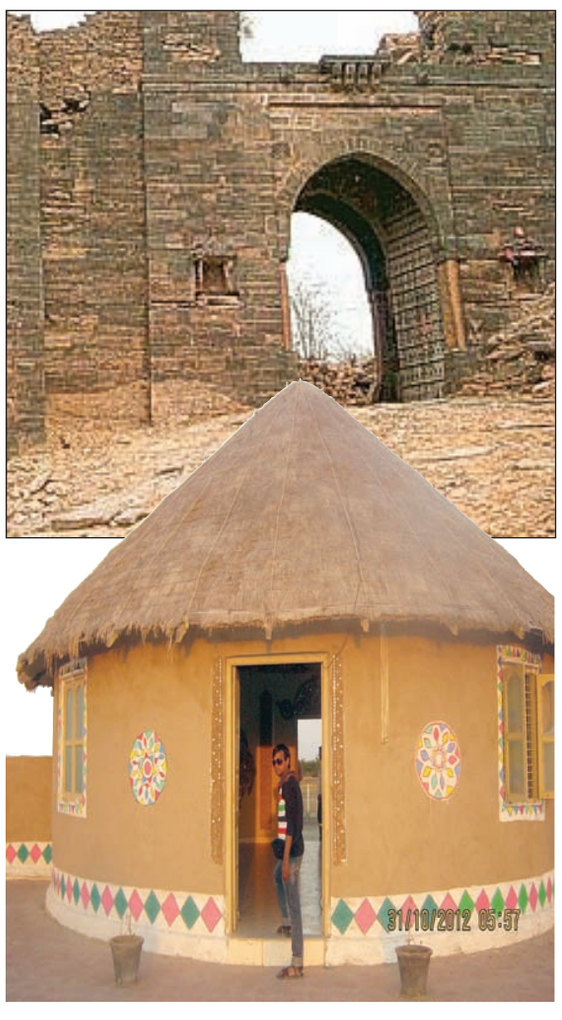

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

महात्मा गांधी के साधारण जीवन से लेकर राष्ट्रपिता बनने तक सफर से छात्रों को अवगत करवाया

कठुआ, 20 सितंबर (हि.स.)। सेवा पर्व के उपलक्ष्य में जीडीसी महानपुर की एनएसएस इकाई ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें महात्मा गांधी जी की आत्मकथा सत्य के साथ मेरे प्रयोगों की कहानी की पुस्तक समीक्षा और चर्चा शामिल थी।

गौरतलब हो कि सत्य के साथ मेरे प्रयोगों की कहानी महात्मा गांधी की एक बहुप्रशंसित आत्मकथा है जो एक साधारण व्यक्ति से लेकर पूजनीय महात्मा और राष्ट्रपिता बनने तक के उनके सफर का वर्णन करती है। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष और एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. रूपाली जसरोटिया कार्यक्रम की संसाधन व्यक्ति थीं। उन्होंने कॉलेज की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) संगीता सूदन के कुशल नेतृत्व में पूरे कार्यक्रम का आयोजन किया। डॉ. रूपाली जसरोटिया ने गांधी जी की आत्मकथा की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने श्रोताओं को बताया कि यह पुस्तक गांधीजी के व्यक्तिगत नैतिक दुविधाओं, आध्यात्मिक शुद्धता और उनके सिद्धांतों के व्यावहारिक अनुप्रयोग के संघर्षों का विस्तृत अन्वेषण है। अपनी चर्चा में, उन्होंने स्वयंसेवकों को गांधीजी द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों की प्रासंगिकता से अवगत कराया। इसके अलावा, उन्होंने सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य, सत्याग्रह, स्वदेशी, सर्वोदय और अपरिग्रह आदि सिद्धांतों पर भी चर्चा की। एनएसएस स्वयंसेवकों ने पुस्तक का विश्लेषण, मूल्यांकन और चर्चा भी की। कार्यक्रम का उद्देश्य आलोचनात्मक सोच और पढ़ने के प्रति साझा जुनून को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) संगीता सूदन ने राष्ट्र निर्माण और युवाओं के चरित्र निर्माण में ऐसे कार्यक्रमों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन एनएसएस प्रभारी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम में सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण संकाय सदस्य भी उपस्थित थे। पुस्तक समीक्षा और चर्चा कार्यक्रम में 35 से अधिक एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

भलवाल में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर, 700 से अधिक मरीजों ने कराई जांच

जम्मू, 20 सितंबर (हि.स.)। जम्मू जिले के भलवाल क्षेत्र के करवांडा में शनिवार को एक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया जिसमें 700 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य जांच करवाई और दवाइयाँ प्राप्त कीं। यह शिविर श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट की ओर से एस.डी.एम. स्कूल में लगाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जम्मू के उपायुक्त डॉ. राकेश मिन्हास ने किया। उन्होंने शिविर का निरीक्षण किया और डॉक्टरों व मरीजों से बातचीत की। उपायुक्त ने कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण व दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएँ सुलभ कराने में सहायक होते हैं।

शिविर में आयुष विभाग ने भी सहयोग दिया। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने स्त्री रोग, हड्डी रोग, दंत रोग, नेत्र रोग, शल्य चिकित्सा, किडनी रोग और सामान्य बीमारियों से संबंधित मरीजों की जांच की। इस अवसर पर डॉ. विश्व गुप्ता, डॉ. प्रवीण योगराज, डॉ. विद्युत गुप्ता, डॉ. धीरज, डॉ. नीना, डॉ. राजन खजूरिया सहित कई चिकित्सकों ने मरीजों को परामर्श दिया। एसडीएम नॉर्थ दीपक कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य जागरूकता ही स्वस्थ समाज की नींव है। जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन जम्मू के उपप्रधान बलदेव सिंह सहित कई स्थानीय गणमान्य नागरिक भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। शिविर के समापन पर भविष्य में भी ऐसे आयोजन जारी रखने का संकल्प लिया गया ताकि जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाई जा सकें।

पद्मश्री बलवंत ठाकुर ने नटरंग स्टूडियो में रंगमंच को लेकर किया अनोखा प्रयोग

जम्मू, 20 सितंबर (हि.स.)। नाट्य प्रेमियों के लिए शनिवार का दिन ऐतिहासिक रहा जब नटरंग स्टूडियो थियेटर में पद्मश्री बलवंत ठाकुर ने भविष्य के रंगमंच की झलक प्रस्तुत की। इस प्रयोगात्मक प्रस्तुति ने संवादों के बजाय दृश्य, ध्वनियों और गतियों के सहारे गंभीर सामाजिक मुद्दों को दर्शकों तक पहुंचाया। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त रंगनिर्देशक बलवंत ठाकुर ने इस प्रस्तुति में जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संकट, शांति, भ्रष्टाचार, मानसिक स्वास्थ्य और मानव अस्तित्व जैसे विषयों को बिना बोले भी गहराई से महसूस कराया। प्रकाश संयोजन, समूहगत आंदोलनों और संगीतात्मक ध्वनियों के माध्यम से उन्होंने रंगमंच की एक नई भाषा गढ़ने का प्रयास किया। ठाकुर ने कहा कि यह कार्य अभी प्रयोगात्मक चरण में है और इसे आगे और विकसित किया जाएगा। उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड में हुए अपने अंतरराष्ट्रीय अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि आज का रंगमंच भाषा की सीमाओं से आगे बढ़कर सीधे दर्शकों के दिल और कल्पना से जुड़ना चाहिए।

गौरतलब है कि ठाकुर की पूर्व प्रस्तुतियां घुमाई, बावा जित्तो और महाभोज भारतीय रंगमंच में नई सौंदर्य दृष्टि स्थापित कर चुकी हैं। दर्शकों ने शनिवार की प्रस्तुति को भारतीय रंगमंच के लिए संभावित रूप से नया मोड़ करार दिया

कोड़ी खड्ड गांव में पानी की किल्लत, ग्रामीण दूषित पानी पीने को मजबूर

जम्मू, 20 सितंबर (हि.स.)। पुरमंडल ब्लॉक के दियोन पंचायत के कोड़ी खड्ड गांव के लोग इन दिनों गंभीर जल संकट से जूझ रहे हैं। हाल ही में हुई बारिश और बाढ़ ने गांव की जीवनरेखा कहे जाने वाले तीनों कुओं को मलवे से पूरी तरह भर दिया है। कुएं बंद हो जाने के बाद अब गांव में पीने के पानी का कोई भी शुद्ध स्रोत शेष नहीं बचा है।

ग्रामीणों ने बताया कि मजबूरी में उन्हें नाले का दूषित पानी पीना पड़ रहा है। इस कारण गांव के कुछ लोग जैसे नसीम बीबी, राजो बीबी और मुबारक अली बीमार हो गए हैं और उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द से जल्द कुओं की सफाई कर उन्हें चालू नहीं किया गया तो ढाई सौ लोगों की आबादी वाले इस गांव के स्वास्थ्य पर बड़ा खतरा मंडरा सकता है।

गांव वालों ने यह भी आरोप लगाया कि जल जीवन मिशन योजना के तहत करोड़ों रुपए खर्च किए जाने के बावजूद उनके गांव में अब तक न तो किसी प्रकार की सरकारी पाइपलाइन बिछाई गई है और न ही कोई दूसरा पानी का स्रोत उपलब्ध कराया गया है। ग्रामीणों ने इस लापरवाही की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

गांव के हनीफ, सदीक खान, मोहम्मद गोशा और मोहम्मद मुबारक अली ने उमर अब्दुल्ला, मुख्यमंत्री तथा उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से अपील की है कि गांव में जल्द से जल्द पीने के पानी की व्यवस्था की जाए ताकि लोगों को उनकी मूलभूत सुविधा और अधिकार मिल सके।

उपराज्यपाल ने श्रीनगर में डॉ. अग्रवाल नेत्र चिकित्सालय के नए केंद्र का उद्घाटन किया

श्रीनगर 20 सितंबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रीनगर के कमरवाड़ी में डॉ. अग्रवाल नेत्र चिकित्सालय के नए केंद्र का उद्घाटन किया। उपराज्यपाल ने अस्पताल और चिकित्सा जगत से सभी के लिए सुलभ और किफायती देखभाल सुनिश्चित करने और जम्मू-कश्मीर के ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में विशेषज्ञों को मरीजों से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा पिछले एक दशक में, आधुनिक तकनीकों ने नेत्र देखभाल के क्षेत्र में बेहतर परिवर्तन किया है और आज यह सटीक उपचार के साथ तेज़ और अधिक सटीक निदान प्रदान कर रहा है। नई तकनीकों ने स्वास्थ्य क्षेत्र में देखभाल और व्यक्तिगत उपचार तक पहुँच भी बढ़ाई है। एआई-संचालित प्रणालियों ने डॉक्टरों को बीमारी और आँखों की समस्याओं के शुरुआती लक्षणों का पता लगाने में सक्षम बनाया है। डॉ. अग्रवाल नेत्र केंद्र और अन्य अस्पतालों को नई तकनीकों का लाभ उठाना चाहिए और जम्मू-कश्मीर के लोगों को वही उपचार प्रदान करना चाहिए जो दिल्ली, मुंबई और चेन्नई जैसे शहरों के नागरिकों को उपलब्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर के स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव आया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें। सरकारी और निजी स्वास्थ्य अवसंरचना के तीव्र विस्तार ने जम्मू-कश्मीर के हर नागरिक के स्वस्थ और समृद्ध भविष्य की दिशा में मार्ग प्रशस्त किया है। उपराज्यपाल ने डॉ. अग्रवाल आई सेंटर और अन्य अस्पतालों से जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों, विशेषकर ग्रामीण और सीमा क्षेत्रों में नि:शुल्क नेत्र-जांच शिविर आयोजित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अधिक पहुंच सुनिश्चित करने हेतु समय-समय पर टेलीमेडिसिन, वर्चुअल परामर्श और डिजिटल जांच के माध्यम से लोगों को सेवाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इस अवसर पर डॉ. अशर अग्रवाल, मुख्य व्यवसाय अधिकारी, डॉ. अग्रवाल्स ग्रुप ऑफ आई हॉस्पिटल्स; डॉ. आतिफ अली मीर, हेड क्लिनिकल सर्विसेज, डॉ. अग्रवाल आई हॉस्पिटल, श्रीनगर, डॉक्टर और अस्पताल का स्टाफ मौजूद थे। इसके अलावा डॉ. शाहिद इक़बाल चौधरी सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, डॉ. सैयद अबिद राशिद शाह सचिव स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा, अंशुल गर्ग मंडलायुक्त कश्मीर, राजीव पांडे डीआईजी सेंट्रल कश्मीर रेंज, डॉ. जीवी संदीप चक्रवर्ती एसएसपी श्रीनगर, अक्षय लाबरू उपायुक्त श्रीनगर तथा इमरान रज़ा अंसारी, अध्यक्ष अखिल जम्मू कश्मीर शिया एसोसिएशन और वरिष्ठ अधिकारी भी उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहे।

सेवा पर्व 2025 के अंतर्गत बावे वाली माता मंदिर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया

जम्मू, 20 सितंबर (हि.स.)। स्वच्छ और स्वस्थ जम्मू के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए जम्मू नगर निगम (जेएमसी) स्वच्छता ही सेवा और सेवा पर्व 2025 अभियान के अंतर्गत विशेष स्वच्छता अभियानों की एक श्रृंखला चला रहा है। 17 सितंबर से शुरू हुआ यह कार्यक्रम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर तक चलेगा। इस अभियान का उद्देश्य शहर भर में स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता, सामुदायिक भागीदारी और सामूहिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देना है। इस पहल के तहत आज बाहु फोर्ट स्थित ऐतिहासिक और अत्यंत पूजनीय बावे वाली माता मंदिर में जेएमसी आयुक्त डॉ. देवांश यादव के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में स्वयंसेवकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, मंदिर समिति के सदस्यों, स्थानीय निवासियों, जेएमसी के सफाई कर्मचारियों और निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

नाली-गली निर्माण कार्य का उद्घाटन

जम्मू, 20 सितंबर (हि.स.)। जम्मू नगर निगम की ओर से चल रहे विकास कार्यों के बीच शनिवार को विधायक जम्मू ईस्ट युधवीर सेठी ने वार्ड संख्या 8 के रेहाड़ी चुंगी क्षेत्र में नाली और गली निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। इस कार्य पर लगभग 11 लाख रुपये की लागत आएगी। इस मौके पर राकेश, डॉ. अक्षय शर्मा, स्वाति शर्मा, रमन शर्मा, पृथ्वी दुग्गल, बृज मोहन शर्मा, पुनीत चावला, रमेश कुमार, शर्मा देवी और कुंदन राठौड़ सहित कई स्थानीय नागरिक और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधायक युधवीर सेठी ने कहा कि उनकी प्राथमिकता हर वार्ड में गुणवत्तापूर्ण आधारभूत ढांचा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि नालियों और गलियों जैसी मूलभूत सुविधाएँ लोगों की रोज़मर्रा की ज़िंदगी से जुड़ी होती हैं और इनका सुधार जरूरी है। स्थानीय निवासियों ने विधायक का आभार जताते हुए कहा कि लंबे समय से खराब नालियों और टूटी गलियों के कारण पानी भराव और स्वच्छता की समस्याएँ बनी रहती थीं जो अब दूर होंगी।

सेवा पखवाड़ा के दौरान वेद शर्मा ने स्वच्छता अभियान पर ज़ोर दिया

जम्मू, 20 सितंबर (हि.स.)। विकसित भारत सेवा पखवाड़ा गतिविधियों के क्रम में आज सैनिक कॉलोनी में भाजपा जम्मू-कश्मीर के सभी प्रकोष्ठों के प्रभारी वेद शर्मा के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शरणार्थी प्रकोष्ठ के संयोजक एस. बलविंदर सिंह और सह-संयोजक परमोध चिब द्वारा भाजपा गंगयाल मंडल के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस अवसर पर बोलते हुए वेद शर्मा ने स्वच्छता अभियान के महत्व पर ज़ोर दिया और स्वच्छता को एक सामूहिक जिम्मेदारी बताया जो विकसित भारत के निर्माण में प्रत्यक्ष योगदान देती है। स्वच्छता केवल आस-पास की स्वच्छता नहीं है यह समुदाय के प्रति हमारे अनुशासन और सम्मान को दर्शाती है।

सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत कुलगाम में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर और संगठनात्मक समीक्षा बैठक का आयोजन

कुलगाम, 20 सितंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भाजपा महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम ज़िला अस्पताल में चल रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत एक नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया।

यह शिविर ज़रूरतमंदों को नि:शुल्क परामर्श, दवाइयाँ और स्वास्थ्य जाँच प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया था जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप समाज सेवा के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस अवसर पर बोलते हुए अशोक कौल ने कहा सेवा पखवाड़ा केवल एक अभियान नहीं है यह हम सभी के लिए मानवता की सेवा में समर्पित होने का एक अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन निस्वार्थ सेवा की मिसाल रहा है और ऐसी पहलों के माध्यम से भाजपा उनके दृष्टिकोण को ज़मीनी स्तर तक पहुँचा रही है।

हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कल्याण के मामले में कोई भी पीछे न छूटे।

बाद में अशोक कौल ने वरिष्ठ नेताओं के साथ कुलगाम के चावलगाम स्थित विश्राम गृह में एक संगठनात्मक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पार्टी के ज़मीनी ढाँचे को मज़बूत करने, बूथ स्तर की गतिविधियों को बढ़ाने और विकास एवं शांति के संदेश को हर घर तक पहुँचाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए अनवर खान ने ज़ोर देकर कहा कि भाजपा की संगठनात्मक शक्ति उसके अनुशासित कार्यकर्ताओं और जनता की सेवा के प्रति समर्पण में निहित है। प्रत्येक कार्यकर्ता को आम जनता से जुड़ने के लिए अथक प्रयास करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पार्टी के कल्याणकारी कार्यक्रम कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुँचें।

जाविद डार ने कोलकाता में किसान घर और निर्माणाधीन अवसंरचना का दौरा किया

कोलकाता 20 सितंबर। कृषि उत्पादन, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, सहकारिता तथा निर्वाचन विभागों के मंत्री जाविद अहमद डार ने कोलकाता में किसान घर का दौरा किया और चल रहे नवीनीकरण तथा उन्नयन कार्यों की समीक्षा की।

दौरे के दौरान मंत्री ने सुविधा के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया, जो जम्मू-कश्मीर से आए किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण सहायता केंद्र का कार्य करता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि नवीनीकरण कार्यों को तेज़ किया जाए ताकि इसका समय पर समापन हो सके और यह केंद्र केंद्र शासित प्रदेश से आने वाले किसानों के लिए पूरी तरह तैयार हो।

मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि सभी लंबित कार्यों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत किया जाए ताकि किसान घर को आधुनिक सुविधाओं से युक्त अत्याधुनिक व्यावसायिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके।

उन्होंने जोर दिया कि इस केंद्र को किसानों को व्यापक सेवाएं और सहयोग प्रदान करने में सक्षम होना चाहिए, जिससे उन्हें कोलकाता में रहते हुए बेहतर बाज़ार और अवसंरचना तक पहुंच सुनिश्चित हो सके।

बाद में मंत्री ने चिंगरीहाटा स्थित 4 कनाल भूमि पर बने कोल्ड स्टोरेज सुविधा का भी दौरा किया। इस परियोजना का सिविल कार्य पूरा हो चुका है। मंत्री ने निर्देश दिया कि यांत्रिक हिस्से का कार्य तेज़ी से पूरा किया जाए ताकि सुविधा का जल्द से जल्द उपयोग कर जम्मू-कश्मीर के बागवानी उत्पादों का विपणन किया जा सके। मंत्री के साथ उद्यानिकी विपणन और योजना निदेशक गुलाम जिलानी ज़रगर सहित जम्मू-कश्मीर सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

झज्जर कोटली पुलिस ने ग्रामीण क्षेत्र में 2 वाहन किए जब्त

जम्मू, 20 सितंबर (हि.स.)। अवैध खनन पर लगाम लगाने और प्राकृतिक एवं सार्वजनिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए जम्मू पुलिस ने ग्रामीण क्षेत्र में अपने अभियान तेज कर दिए हैं जिसके परिणामस्वरूप खनिजों के अनधिकृत निष्कर्षण और परिवहन में शामिल दो वाहनों जेके19, 7581, जेके14डी 8386 को जब्त किया गया। ये वाहन मौजूदा खनन कानूनों का उल्लंघन करते हुए अवैध खनन गतिविधियों में लगे हुए थे। इस मामले में संबंधित जिला खनन अधिकारियों को कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए तुरंत सूचित किया गया। जम्मू पुलिस अवैध खनन पर अंकुश लगाने और पर्यावरण की रक्षा तथा कानून के शासन को बनाए रखने के लिए उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

'जम्मू नमो युवा दौड़ का उद्देश्य युवाओं को नशा मुक्त जम्मू कश्मीर बनाने की दिशा में प्रेरित करना'

जम्मू, 20 सितंबर (हि.स.)। भाजयुमो जम्मू कश्मीर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में जम्मू नमो युवा दौड़ के आयोजन की घोषणा की। यह दौड़ 21 सितंबर को जम्मू, श्रीनगर, कठुआ, उधमपुर और राजौरी में एक साथ आयोजित की जाएगी।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण प्रभात ने पत्रकारवार्ता कर बताया कि जम्मू में यह दौड़ बहू प्लाजा से शुरू होकर बहू प्लाजा पर ही समाप्त होगी। प्रभात ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री के 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है और युवाओं को आत्मनिर्भरता, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करती है। राकेश महाजन प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा एवं भाजयुमो जम्मू कश्मीर प्रभारी ने कहा कि जम्मू कश्मीर को नशा मुक्त क्षेत्र बनाने में युवाओं को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। राजू कालरा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से देश के युवा संकल्प के साथ अपनी मिट्टी (राष्ट्र) से जुड़ेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पिछले 11 वर्षों में देश के प्रति निभाए गए कर्तव्य को याद करेंगे। इसी प्रकार प्रियंका महाजन, राज्य सचिव भाजयुमो जम्मू कश्मीर को जम्मू नमो युवा दौड़ का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके बाद, अरुण प्रभात और राकेश महाजन द्वारा जम्मू नमो युवा दौड़ का आधिकारिक पोस्टर और जर्सी भी लॉन्च की गई।

अंत में प्रभात ने जम्मू के सभी लोगों से जम्मू को नशा मुक्त शहर बनाने के लिए जम्मू नमो युवा दौड़ में भाग लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर अभिषेक सलाथिया राज्य महासचिव भाजयुमो, संजय शर्मा राज्य उपाध्यक्ष भाजयुमो, अंकित शर्मा राज्य सचिव भाजयुमो, सागर सिंह कोतवाल राज्य सोशल मीडिया प्रभारी भी उपस्थित थे

'चनैनी विधानसभा क्षेत्र के पुनर्सत्यापन के बाद चुनाव में धांधली के आरोप निराधार पाए गए'

उधमपुर, 20 सितंबर (हि.स.)। चनैनी से विधायक और वरिष्ठ भाजपा नेता बलवंत सिंह मनकोटिया ने 2024 के विधानसभा चुनावों में धांधली के झूठे और भ्रामक आरोप लगाने के लिए उम्मीदवार हर्ष देव सिंह की कड़ी आलोचना की। बलवंत सिंह मनकोटिया जम्मू-कश्मीर भाजपा के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप महोत्रा के साथ जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में मीडियाकर्मियों को संबोधित कर रहे थे। बलवंत सिंह मनकोटिया ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के चनैनी विधानसभा क्षेत्र के तीन मतदान केंद्रों - 2, 6 और 12 - पर मतों का पुनर्सत्यापन किया गया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई विपक्ष के उम्मीदवार हर्ष देव सिंह की मांग पर की गई थी जो 2024 के विधानसभा चुनाव में चेनानी विधानसभा क्षेत्र से 16,000 मतों से हार गए थे। बलवंत सिंह मनकोटिया ने कहा कि हर्षदेव सिंह ने विधानसभा चुनावों में बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप लगाया था और ईवीएम के पुनर्सत्यापन की मांग की थी। इस मांग पर कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने आवेदक की इच्छानुसार, उम्मीदवार और अन्य प्रतिनिधियों की उपस्थिति में तीनों मतदान केंद्रों की ईवीएम की ट्रायल वोटिंग और पुनर्गणना की। सत्यापन प्रक्रिया ने पुष्टि की कि धांधली के आरोप निराधार थे। परिणाम मौके पर वोट की लागत और उसके परिणाम से मेल खाते थे जिससे चुनावी प्रक्रिया की प्रामाणिकता की पुष्टि हुई।

सुनील शर्मा राहत कार्यों का जायज़ा लेने सुदूरवर्ती गाँव मार्गी पहुँचे

किश्तवाड़, 20 सितंबर (हि.स.)। विपक्ष के नेता (एलओपी) सुनील शर्मा ने आज किश्तवाड़ ज़िले के वारवान क्षेत्र के सुदूरवर्ती गाँव मार्गी का दौरा किया जहाँ हाल ही में लगातार बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण भारी तबाही हुई है।

हाजी तारिक कीन, रवि परिहार (ज़िले के अध्यक्ष), प्रशांत भंडारी (महासचिव), मंसूर मट्टू (अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष), समीर गनई और संतोष भंडारी भी इस दौरे में सुनी शर्मा के साथ थे। इस प्राकृतिक आपदा ने व्यापक नुकसान पहुँचाया है कई घर बह गए हैं और सड़क संपर्क बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है जिससे पूरी आबादी ज़िले के बाकी हिस्सों से कट गई है। कई परिवार बेघर हो गए हैं और यह क्षेत्र वर्तमान में आश्रय, भोजन, पेयजल, दवाओं और बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी से जूझ रहा है। सुनील शर्मा के साथ स्थानीय प्रशासन के अधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता भी थे। दुर्गम इलाकों और बाधित मार्गों के बावजूद वह प्रभावित परिवारों से मिलने और विनाश की भयावहता का प्रत्यक्ष आकलन करने के लिए मार्गी पहुँचे। उन्होंने प्रभावित लोगों से बातचीत की उनकी शिकायतें सुनीं और ज़मीनी हालात का जायज़ा लिया। सुनील ने कहा कि विनाश का पैमाना दिल दहला देने वाला है। उन्होंने दुख व्यक्त किया कि कई परिवारों ने अपना सब कुछ खो दिया है। सड़कें गायब हो गई हैं आपूर्ति बाधित है और लोग भोजन, आश्रय या चिकित्सा देखभाल के बिना हैं। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि वह इस मामले को उच्चतम स्तर पर उठाएँगे और प्रशासन पर तत्काल राहत और पुनर्वास उपायों के लिए दबाव डालेंगे।

संपादकीय

वादों को पूरा करना सुनिश्चित करें

यह अच्छी बात है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भारी बारिश के कारण जिन लोगों की ज़मीन धंस गई है या धंस रही है और उनके घरों और ढाँचों को नुकसान पहुँचा है, उनके लिए एक नए स्थान पर पाँच मरला ज़मीन देने की घोषणा की है।

इस पूरे मामले में वादे तो ठीक हैं, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि जो वादे किए जा रहे हैं और जिनका ढिंढोरा पीटा जा रहा है, उनका क्रियान्वयन हो, क्योंकि जम्मू-कश्मीर के लोगों को पहले भी एक बुरा अनुभव हुआ था, जब सरकार ने दुष्ट देश पाकिस्तान द्वारा बिना उकसावे की गोलीबारी के पीड़ितों के लिए पाँच मरला ज़मीन देने का वादा किया था, और उनमें से कई लोग अभी भी उस वादे के पूरा होने का इंतज़ार कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि ज़मीन धंसने से कई लोग प्रभावित हुए हैं और इसलिए प्रभावित लोगों के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत ज़मीन का आवंटन और कम से कम दो कमरों का निर्माण सर्दियों की शुरुआत से पहले किया जाना चाहिए क्योंकि लोगों को अत्यधिक ठंड में तंबुओं में नहीं रखा जा सकता। मुख्यमंत्री की यह बात गंभीर लग रही है, लेकिन इन बातों को मूर्त रूप लेने में समय लगेगा और जब तक ज़मीनी स्तर पर बदलाव नहीं आते, इस स्वागत योग्य प्रस्ताव के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता क्योंकि पहले भी कई बार ऐसे वादे किए गए, लेकिन पूरे नहीं हुए।

हालाँकि, कुछ रिपोर्ट्स में इस बात की पुष्टि हो रही है कि उपायुक्तों को उन लोगों को, जिनके घर डूब गए हैं या डूब रहे हैं, किसी वैकल्पिक जगह पर पाँच मरला ज़मीन आवंटित करने का प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया है। इसका मतलब है कि सरकार इस बार इस मामले को गंभीरता से ले रही है, लेकिन जब तक प्लॉट नहीं दिए जाते और निर्माण के लिए धनराशि जारी नहीं की जाती, तब तक लोगों को परेशानी होती रहेगी। सिर्फ़ वादे ही प्रभावित लोगों को कड़ाके की ठंड से राहत नहीं दे सकते या उन्हें ज़रूरी सुरक्षा नहीं दे सकते।

कुल मिलाकर, समय की माँग है कि सरकार बयानबाज़ी में उलझने के बजाय ज़मीनी स्तर पर बदलाव लाए और यह सुनिश्चित करे कि इस बार शब्दों के बाद काम हो। जो लोग अभी भी पहले के वादों का इंतज़ार कर रहे हैं, उनका दर्द उन्हें याद दिलाना चाहिए कि देरी से अविश्वास ही बढ़ता है। इसे एक और भुला दिया गया आश्वासन न बनने दें। प्रभावित परिवारों को सिर्फ आशा की नहीं, बल्कि एक सुरक्षित घर की जरूरत है।

लेखक समाज की अग्निपरीक्षा का समय

– डॉ प्रियंका सौरभ

साहित्य अकादमी भारत की सबसे प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था मानी जाती रही है। यह केवल एक सरकारी निकाय नहीं बल्कि भाषाओं और साहित्य की विविध परंपराओं का प्रतीक भी है। ऐसे में जब इस संस्था के शीर्ष पदाधिकारी पर यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगते हैं और अदालत यह स्थापित कर देती है कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग किया है, तो यह केवल व्यक्तिगत नैतिक विफलता नहीं बल्कि पूरे साहित्यिक समाज पर धब्बा है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि अकादमी का सचिव यौन उत्पीड़न से महिलाओं की रक्षा अधिनियम के तहत नियोक्ता की श्रेणी में आता है और शिकायतकर्ता की बर्खास्तगी प्रतिशोध का परिणाम थी। अदालत ने उन्हें बहाल करने का आदेश दिया और यह भी माना कि अकादमी ने जाँच की निष्पक्ष प्रक्रिया को बाधित किया। यह टिप्पणी किसी साधारण प्रशासनिक गड़बड़ी की ओर इशारा नहीं करती बल्कि यह दर्शाती है कि संस्था के भीतर शक्ति का उपयोग न्याय की रक्षा के बजाय दमन के लिए किया गया।

पीड़िता के आरोप मामूली नहीं थे। अनचाहे स्पर्श, अश्लील टिप्पणियाँ और लगातार यौन दबाव जैसे अनुभव उन्होंने साझा किए। यह कोई एक बार की घटना नहीं बल्कि एक सिलसिला था। संस्थान के भीतर कई लोग इस वातावरण से परिचित थे फिर भी चुप्पी साधे रहे। यही चुप्पी उत्पीड़क को और निर्भीक बनाती है और पीड़िता को और अकेला कर देती है।

साहित्य की असली शक्ति उसकी नैतिकता में है। अगर साहित्यकार समाज के अन्याय पर कलम चलाते हैं लेकिन अपने ही घर के अन्याय पर चुप रहते हैं तो साहित्य की विश्वसनीयता खो जाती है। जब तक आरोपी सचिव अपने पद पर बना रहता है तब तक अकादमी के किसी भी आयोजन में भागीदारी स्वयं कलंक का हिस्सा बनने जैसा होगा। पुरस्कार लेना, कविताएँ पढ़ना या गोष्ठियों में शिरकत करना मानो यह स्वीकार करना होगा कि हम उत्पीड़न को नजरअंदाज कर सकते हैं।

इस समय आवश्यकता है शून्य सहनशीलता की। यौन उत्पीड़न और जातिगत उत्पीड़न जैसे अपराधों पर कोई समझौता नहीं हो सकता। जब संस्था का शीर्ष अधिकारी ही आरोपी हो और फिर भी पद पर बना रहे, तो यह संदेश जाता है कि संस्थान अपराध को ढकने के लिए तत्पर है। इससे न केवल पीड़िता हतोत्साहित होती है बल्कि अन्य महिलाएँ भी शिकायत दर्ज कराने से डरने लगती हैं। यह वातावरण पूरे साहित्यिक समाज के लिए घातक है।

चिंताजनक यह भी है कि कुछ प्रकाशक ऐसे व्यक्तियों को अब भी मंच दे रहे हैं। उन्हें बड़े लेखक की तरह प्रस्तुत किया जा रहा है, उत्सवों और मेलों में सम्मानित किया जा रहा है। यह प्रवृत्ति केवल बिक्री-लाभ का मामला नहीं है, बल्कि यह उत्पीड़न की संस्कृति को सामाजिक मान्यता देने जैसा है। ऐसे में लेखकों और पाठकों की ज़िम्मेदारी है कि वे ऐसे प्रकाशकों से सवाल पूछें। साहित्यिक गरिमा केवल शब्दों में नहीं बल्कि आचरण में भी झलकनी चाहिए।

यह समय लेखक समाज की अग्निपरीक्षा का है। क्या हम चुप रहेंगे और संस्था की रक्षा के नाम पर अन्याय को ढकेंगे, या न्याय और सम्मान के लिए खड़े होंगे। अकादमी की प्रतिष्ठा उसकी इमारतों और पुरस्कारों से तय नहीं होती, वह उसकी पारदर्शिता और नैतिक आचरण से तय होती है। अगर यह खो जाएगी तो सारे पुरस्कार और समारोह खोखले अनुष्ठान भर रह जाएँगे।

लेखकों को अब साफ़ रुख अपनाना होगा। जब तक आरोपी पद पर है, तब तक अकादमी के किसी भी कार्यक्रम में भागीदारी नहीं होनी चाहिए। यह बहिष्कार केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं बल्कि समाज को स्पष्ट संदेश देगा कि साहित्य अन्याय के साथ समझौता नहीं कर सकता।

आगे का रास्ता भी हमें मिलकर तय करना होगा। संस्थागत सुधार ज़रूरी है, शिकायत समितियों को स्वतंत्र बनाया जाए और उनकी कार्यवाही सार्वजनिक की जाए। लेखकों और पाठकों को चाहिए कि वे नैतिक बहिष्कार को आंदोलन की तरह चलाएँ। प्रकाशकों से जवाबदेही माँगी जाए और पूरे सांस्कृतिक परिदृश्य को संवेदनशील बनाया जाए। यह केवल अकादमी का नहीं बल्कि पूरे समाज का सवाल है।यह संकट हमें याद दिलाता है कि पद और सत्ता किसी को भी कानून और नैतिकता से ऊपर नहीं बना सकते। अगर आरोपी अपने पद पर बना रहता है तो यह केवल पीड़िता का नहीं बल्कि पूरे साहित्यिक समाज का अपमान है। लेखकों, कवियों, आलोचकों और पाठकों को अब मिलकर कहना होगा कि हम अन्याय के साथ खड़े नहीं हो सकते। साहित्य तभी अपनी असली ताक़त दिखा पाएगा जब वह सत्ता से सवाल पूछेगा और शोषण के खिलाफ निर्भीक होकर खड़ा होगा।

अगर हम इस परीक्षा में असफल हुए तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें डरपोक और मौन समाज के रूप में याद करेंगी। लेकिन अगर हम साहस के साथ खड़े हुए तो साहित्य शब्दों के साथ-साथ न्याय और गरिमा का भी प्रहरी बन सकेगा। यही साहित्य की असली पहचान है और यही हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

इस समय आवश्यकता है शून्य सहनशीलता की। यौन उत्पीड़न और जातिगत उत्पीड़न जैसे अपराधों पर कोई समझौता नहीं हो सकता। जब संस्था का शीर्ष अधिकारी ही आरोपी हो और फिर भी पद पर बना रहे, तो यह संदेश जाता है कि संस्थान अपराध को ढकने के लिए तत्पर है। इससे न केवल पीड़िता हतोत्साहित होती है बल्कि अन्य महिलाएँ भी शिकायत दर्ज कराने से डरने लगती हैं। यह वातावरण पूरे साहित्यिक समाज के लिए घातक है।

अवैध धर्मांतरण पर राजस्थान का ऐतिहासिक कानून

-विनोद बंसल

राजस्थान विधानसभा में पारित राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025 को समाज के व्यापक वर्गों ने स्वागत योग्य और ऐतिहासिक बताया है। यह विधेयक न केवल अवैध धर्मांतरण पर सख्त अंकुश लगाने वाला है, बल्कि भारतीय संस्कृति और सामाजिक समरसता की रक्षा का सशक्त साधन भी बनेगा। लंबे समय से समाज में यह मांग उठ रही थी कि धर्म की स्वतंत्रता के नाम पर चल रहे सुनियोजित षड्यंत्रों पर लगाम कसने के लिए कठोर कानून बनाया जाए।

राजस्थान ने इस दिशा में जो कदम उठाया है, वह देश के अन्य राज्यों के लिए भी एक मिसाल बनेगा।

भारत एक लोकतांत्रिक और पंथ निरपेक्ष राष्ट्र है। यहाँ हर नागरिक को अपनी आस्था और पूजा-पद्धति का पालन करने की स्वतंत्रता है। किंतु यह स्वतंत्रता तभी तक सार्थक है जब तक इसका दुरुपयोग न हो। विगत कुछ दशकों में कई बार यह देखने को मिला कि समाज के वंचित वर्गों विशेषकर नाबालिगों, महिलाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति और गरीबों को लालच, प्रलोभन, छल या दबाव के जरिए धर्म परिवर्तन के लिए विवश किया गया। कट्टरपंथी इस्लाम और ईसाइयत इसके केंद्र में है, ये आरोप और साक्ष्य बार-बार सामने आते रहे हैं। वहीं, विदेशी फंडिंग से चलने वाले संगठनों पर भी ऐसी गतिविधियों के आरोप लगते रहे हैं।

राजस्थान जैसे सीमावर्ती और जनजातीय इलाकों वाले राज्यों में यह समस्या और अधिक गंभीर रूप ले चुकी थी। परिणामस्वरूप जनभावनाएँ बार-बार कठोर कानून की मांग कर रही थीं।

फरवरी 2025 में प्रस्तुत प्रारंभिक विधेयक की तुलना में वर्तमान संस्करण कहीं अधिक कठोर और प्रभावी है।

इस विधेयक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें धर्मांतरण कराने वालों को अब हल्की सजाओं के बजाय कठोरतम दंड भुगतना होगा। जबरन, धोखे या लालच से कराए गए धर्मांतरण पर अब सात से चौदह वर्ष तक की कैद और पाँच लाख रुपये तक का जुर्माना निर्धारित किया गया है। नाबालिग, महिला, अनुसूचित जाति/जनजाति और दिव्यांगजनों का धर्मांतरण कराने पर दस से बीस वर्ष की कैद और दस लाख रुपये तक का दंड विधान है।

सामूहिक धर्मांतरण के मामलों में तो बीस वर्ष से आजीवन कारावास तथा न्यूनतम पच्चीस लाख रुपये का दंड अनिवार्य होगा। विदेशी फंडिंग से कराए गए धर्मांतरण पर भी दोषी को दस से बीस वर्ष की सजा और बीस लाख रुपये तक का दंड भुगतना होगा।

सबसे कठोर प्रावधान पुनरावृत्ति के मामलों में है। यदि कोई अपराधी बार-बार धर्मांतरण की साजिश करता पकड़ा गया तो उसे आजीवन कारावास और पचास लाख रुपये तक का दंड भोगना होगा। स्पष्ट है कि अब अवैध धर्मांतरण करने वालों के लिए बच निकलने की कोई गुंजाइश नहीं बचेगी। विधेयक में विवाह के माध्यम से किए गए धर्मांतरण को भी अवैध घोषित किया गया है। सामान्य तौर पर यह देखा जाता है कि विवाह को साधन बनाकर धर्मांतरण कराए जाते हैं। यह प्रावधान ऐसे प्रपंचों को रोकने में सहायक होगा। साथ ही धर्मांतरण कराने वाली संस्थाओं की संपत्ति जब्त करने और आवश्यक होने पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त करने का भी प्रावधान पहली बार जोड़ा गया है। यह कदम अपराधियों में भय पैदा करेगा और संगठित षड्यंत्रों की जड़ें काट देगा।

विधेयक के अनुसार धर्म परिवर्तन करने से पूर्व व्यक्ति को 90 दिन पहले जिला कलेक्टर या एडीएम को सूचना देना अनिवार्य होगा। धर्माचार्यों को भी दो महीने पूर्व नोटिस देना होगा। इस पारदर्शिता से प्रशासन को पूरी प्रक्रिया पर निगरानी रखने में आसानी होगी। वहीं, 'घर वापसी' यानी पूर्वजों के धर्म में लौटने को धर्मांतरण नहीं माना जाएगा। इससे समाज में भ्रम और विवाद की स्थितियों को रोका जा सकेगा। सभी अपराधों को संज्ञेय और गैर-जमानती घोषित किया गया है।

इसका अर्थ है कि पुलिस बिना वारंट के गिरफ्तारी कर सकती है और अदालत से आसानी से जमानत नहीं मिलेगी। यह सख्ती विधेयक को प्रभावी बनाने में निर्णायक सिद्ध होगी।

इसके बाद हम राजस्थान को लेकर यही उम्मीद करते हैं कि इस कानून से समाज के कमजोर और वंचित वर्गों को सबसे अधिक राहत मिलेगी। अब उन्हें लालच या दबाव से धर्म परिवर्तन कराने वाले संगठनों से सुरक्षा मिलेगी। विदेशों से आने वाले संदिग्ध फंड पर भी अंकुश लगेगा। सामूहिक धर्मांतरण जैसी गतिविधियों पर रोक लगने से समाज में कृत्रिम विभाजन की प्रक्रिया रुकेगी और सामाजिक समरसता को बल मिलेगा। साथ ही यह कानून भारतीय सनातन संस्कृति की रक्षा में एक ढाल का काम करेगा। यह केवल धार्मिक दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता की दृष्टि से भी अनिवार्य है।

विधेयक का सबसे चर्चित पहलू बुलडोजर एक्शन है। यदि कोई संस्था सुनियोजित तरीके से धर्मांतरण कराती है तो उसकी संपत्ति जब्त करने और भवनों को ध्वस्त करने का प्रावधान अपराधियों में भय पैदा करेगा। यह पहली बार है जब किसी राज्य ने धर्मांतरण जैसी गतिविधि को रोकने के लिए इतने कठोर उपायों को अपनाया है। इससे यह संदेश जाएगा कि समाज और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा।

हमारे संतों और मनीषियों ने कहा है कि धर्मांतरण एक अभिशाप है। इससे न सिर्फ एक हिन्दू कम होता है अपितु भारत के शत्रु बढ़ जाते है। गत कालखंड में ही पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान जैसे देश और उनमें बढ़ती अमानवीय, देश विरोधी व धर्म-द्रोही घटनाओं से सम्पूर्ण विश्व भली भांति परिचित है। उन सब के पीछे धर्मांतरण का खेल ही है। विश्व हिन्दू परिषद के तो जन्म के प्रमुख कारणों में से एक 'अवैध धर्मांतरण' ही है। इसे रोकने के लिए अनेक देशव्यापी अभियान संगठन चला रहा है। संगठन के द्वारा अब तक 40 लाख से अधिक हिंदुओं को धर्मांतरण से बचाने का कार्य हुआ है। वहीं 9 लाख से अधिक की घर-वापसी भी कराई जा चुकी है। लगभग 25 हजार हिन्दू बेटियों को लव जिहाद चंगुल से बचाने का कार्य भी किया जा चुका है।

विहिप की यह पुरानी मांग थी कि राज्य में एक कठोर कानून बने। राजस्थान सरकार ने इसे स्वीकार कर समाज की आवाज को कानूनी रूप दिया है। संगठन के अनवरत प्रयासों व हिन्दू समाज की संगठित शक्ति का ही परिणाम है कि आज देश के दर्जन भर राज्यों में इसके लिए कठोर कानून बने हैं। अब धीरे-धीरे यह मांग भी बलवती हो रही है कि इसके लिए संसद में भी एक कठोरतम कानून बने जिससे माँ भारती का कोई हिस्सा इस अभिशाप का शिकार ना बन सके।

साधुवाद सरकार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उनकी सरकार ने जो साहसिक कदम उठाया है, वह निश्चित ही जन-भावनाओं का सम्मान है और इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। हालांकि कुछ वर्ग इस कानून की आलोचना करेंगे। वे इसे कठोर या धार्मिक स्वतंत्रता का हनन कह सकते हैं। किंतु यह समझना आवश्यक है कि यह कानून स्वेच्छा से किए गए धर्म परिवर्तन का विरोध नहीं करता। संविधान ने अनुच्छेद 25 में धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी दी है, लेकिन यह स्वतंत्रता सार्वजनिक व्यवस्था, स्वास्थ्य और नैतिकता के अधीन है। जबरन या छल-कपट से किया गया धर्म परिवर्तन न तो धार्मिक स्वतंत्रता है और न ही संवैधानिक अधिकार। यह सीधा-सीधा शोषण है और यही इस विधेयक का लक्ष्य है कि शोषण पर रोक लगे।

अंत में यही कहना है कि राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025 केवल एक कानून नहीं, बल्कि समाज की सुरक्षा और संस्कृति की रक्षा का संकल्प है। यह अवैध धर्मांतरण की जड़ों को काटकर सामाजिक एकता और राष्ट्रीय अखंडता को सुदृढ़ करेगा। आने वाले समय में यह विधेयक राजस्थान ही नहीं, पूरे देश में एक आदर्श बनेगा। आज आवश्यकता है कि समाज के सभी वर्ग इस कानून का समर्थन करें और एकजुट होकर उन ताकतों का प्रतिकार करें जो छल-कपट से समाज को बाँटने की कोशिश करती हैं। यह विधेयक वास्तव में जनभावनाओं का प्रतिबिंब और सनातन संस्कृति की रक्षा का ऐतिहासिक कदम है।

(लेखक विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं)

नरेन्द्र मोदी की पहचान: त्वरित और समयानुकूल कड़े निर्णय की क्षमता

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मार्निंग कंसल्ट की वैश्विक मंच पर लोकप्रियता के ताजातरीन सर्वे में एक बार फिर 75 वर्षीय नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता या यों कहें कि एप्रूवल रेट 75 प्रतिशत रही है। यह विश्व के अन्य नेताओं की तुलना में कहीं अधिक है तो दूसरी और पिछले दिनों प्यू रिसर्च की रिपोर्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भरोसा जताने वाले केवल 40 प्रतिशत लोग ही रह गए और इनमें भी केवल मात्र 15 फीसदी ही ऐसे लोग है जो पूरी तरह से ट्रंप पर भरोसा कर रहे हैं। चुनाव के समय 81 प्रतिशत भरोसे लायक नेता पर 40 प्रतिशत अमेरिकीयों का भरोसा और इनमें से भी 25 प्रतिशत का थोड़ा भरोसा तो केवल 15 प्रतिशत अमेरिकी ही ट्रंप पर पूरी तरह से भरोसा जता रहे हैं। 59 प्रतिशत अमेरिकीयों को तो ट्रंप पर अब बिलकुल भी भरोसा नहीं रहा है। एक बात और साफ हो जानी चाहिए कि मार्निंग कंसल्ट के इस सर्वे में दूसरे पायदान पर रहने वाले दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति लीजे म्युंग को 59 प्रतिशत और अर्जेंटिना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई को 57 प्रतिशत का एप्रूवल मिला है।

दरअसल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एप्रूवल देश में ही नहीं विदेशों में भी साफ सुथरी छवि के कारण है। इसके साथ ही कूटनीति, तकनीक, रक्षा, अर्थव्यवस्था और किसी के सामने नई झुकने की जिद ने और अधिक लोकप्रियता बढ़ा दी है। खास बात यह है कि विरोधी चाहे कितना भी शोर मचाएं इसमें दो राय नहीं और इससे भी बढ़कर कि आपरेशन सिन्दूर को लेकर देशवासियों और विदेशियों किसी को भी नरेन्द्र मोदी और सेना के कथन पर किसी तरह का कोई संदेह नहीं है। गाहे-बेगाहे पाकिस्तान तक ऑपरेशन सिन्दूर की टीस को व्यक्त कर ही देता है। ऐसे में विरोधियों द्वारा ऑपरेशन सिन्दूर पर जिस तरह नकारात्मकता व्यक्त की जाती हैं वह कहीं ना कहीं मोदी और मोदी सरकार की विश्वसनीयता को और बढ़ाने में ही सहायक है।

यह बात इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि नरेन्द्र मोदी अपनी जीवन की अमृतवेला मना रहे है। 75 साल के नरेन्द्र मोदी जिस अदम्य साहस और दृढ़ता का परिचय दे रहे हैं और खासतौर से जिस तरह अमेरिका और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ के आगे झुकने से पूरी तरह नकार कर लगता है अब तो ट्रंप को ही झुकने को मजबूर होने जैसे हालात कर दिए हैं।

आज भारत और नरेन्द्र मोदी को दुनिया का कोई देश या दुनिया का कोई नेता हल्के में नहीं ले सकता। इसका कारण भी है- भारत आज आंख में आंख डाल कर बात करने की हैसियत रखता है। ट्रंप की बौखलाहट से इसे आसानी से समझा जा सकता है। दरअसल आज के दौर में वैश्विक नेता के रुप में बोल्ड होने, एग्रेसिव होने, कठोर व त्वरित निर्णय लेने वाले नेता लोगों की पसंद बनते जा रहे हैं। अच्छे-बुरे परिणाम की चिंता कर निर्णय की उहापोह में फंसे नेता आज के लोगों की पसंद नहीं हो सकते। इसका बड़ा कारण दुनिया में वैश्विक संकटों का दौर चलना है। पर यह भी समझ लेना होगा कि दुनिया के लोग ट्रंप जैसे अंहकारी, तुगलकी निर्णय करने वाले, गली-मोहल्ले के दादाओं जैसे व्यवहार करने वाले और नासमझी भरे निर्णयों और फिर उन निर्णयों पर मुंह की खाने वाले नेताओ को भी पसंद नहीं करते। संकटों के दौर में लोगों का यह मानना रहता है कि हमें आलोचना-प्रत्यालोचना या आगे-पीछे सोच कर निर्णय लेने वाला नहीं अपितु त्वरित और कठोर निर्णय लेने वाला नेता चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं कि नरेन्द्र मोदी इस पर खरा उतरे हैं।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि विश्वसनीयता एक दिन या एक काम से नहीं बनती। इसके साथ ही केवल व्यक्ति विशेष को निशाना बनाने से भी कोई खास हासिल नहीं हो सकता। अच्छे को अच्छा और बुरे को बुरा कहने की आदत डालें तो शायद आम जनता में अधिक प्रभावी तरीके से अपनी बात रख कर लोगों को अपने पक्ष में किया जा सकता है।

जब राष्ट्रीय अस्मिता पर और सेना के पराक्रम को प्रश्नों में उभारा जाता है तो लाख कमियों के बावजूद सच्चा राष्ट्रप्रेमी नागरिक इसे स्वीकार नहीं पाता। यही कारण है कि नरेन्द्र मोदी को जितना निशाना बनाया जाता है मोदी उस निशाने से और अधिक निखार के साथ उभरते आ रहे हैं। आज जब ट्रंप भारत की अर्थव्यवस्था को नकारते हैं तो यह देशवासियों के गले उतरने वाली बात नहीं होती।

इसी तरह जब ऑपरेशन सिन्दूर पर प्रश्नचिन्ह उठाया जाता है तो आमजन इसे देश के खिलाफ आवाज और सेना के असम्मान के रुप में देखता है।

जब संविधान की प्रति उठाकर संविधान बचाओ की बात करते हैं तो उनकी सरकार के समय ही संसद से पास अधिसूचना को सार्वजनिक रुप से फाड़ने को याद करते हैं। जीएसटी को लेकर प्रश्न उठाते हैं तो आज इससे मिल रही राहत को जनता कैसे नकार सकती है। इसलिए सकारात्मक विरोध के साथ आगे आकर ही मोदी और मोदी की नीतियों का पार पा सकते हैं।

संसद और विधानसभाओं में गतिरोध का दौर चलता है, खुली चर्चाएं हो नहीं पाती, सत्र सालों-साल छोटे होते जा रहे हैं। आधी-आधी रात तक होने वाली चर्चाएं अब बीते दिनों की बात हो गई।

ऐसे में केवल आरोप-प्रत्यारोप के भरोसे मोदी पर जीत की बात बेमानी है।

दूसरी बात यह कि हम बड़ी लकीर खींच कर दूसरी लकीर को छोटी बता सकते हैं, हो इसका उल्टा रहा है। मोदी जी के शतायु होने की कामना के साथ आज देश उनकी ओर देख रहा है। देश को अभी मोदी और उनके जैसे नेतृत्व की आवश्यकता है जिससे आजादी के शताब्दी वर्ष तक देश विश्व की सबसे बड़ी ताकत बन कर उभर सके।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अनऑफिशियल टेस्ट के तीसरे दिन ध्रुव जुरेल ने शतक जड़कर इंडिया-ए को दिलाई वापसी

एजेंसी

लखनऊ। इकाना क्रिकेट स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ए और इंडिया ए के बीच खेले जा रहे पहले अनऑफिशियल टेस्ट मैच के तीसरे दिन इंडिया-ए ने शानदार वापसी की। उपकप्तान ध्रुव जुरेल (113 नाबाद), देवदत्त पड्डीकल (86 नाबाद) और साई सुदर्शन (73) की दमदार पारियों की बदौलत टीम ने दिन का खेल 403/4 पर समाप्त किया। अब इंडिया-ए ऑस्ट्रेलिया-ए के 532/6 (घोषित) से 129 रन पीछे है। जुरेल और पड्डीकल ने पांचवें विकेट के लिए 181 रनों की अटूट साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। जुरेल ने 115 गेंदों में 10 चौकों और 4 छक्कों की मदद से शतक पूरा किया, जबकि होगा। यह तेज़-तर्रार फॉर्मेट अलग रणनीति मांगता है और मैं अपने पूर्व साथियों के साथ खेलने और मजबूत विरोधी टीमों का सामना करने को लेकर उत्साहित हूं। अरिवा स्पोर्ट्स के सह-संस्थापक रजनीश चोपड़ा ने कहा, अश्विन का शामिल होना न सिर्फ टीम इंडिया बल्कि पूरे हांगकांग सिक्सेस टूर्नामेंट के लिए बड़ा फायदा है।

उम्मीद है कि एशेज के पांचों टेस्ट में खेलूंगा : पीठ की समस्या से जूझ रहे पैट कमिंस ने दिया बयान

सिडनी। पीठ की समस्या से जूझ रहे ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस एशेज के सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलना चाहते है। कमिंस ने एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। खेल क्लबों के लिए जलवायु परिवर्तन से निपटने और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ बने रहने के लिए संघीय सरकार ने 50 मिलियन डॉलर के अनुदान की घोषणा की गई। कमिंस ने स्वीकार किया कि एशेज से पहले वह पूरी तरह से प्रतीक्षा करने और देखने की स्थिति है। कमिंस ने कहा, 'लक्ष्य पांच टेस्ट मैच है। हर गर्मियों में आप पांच टेस्ट मैच खेलने का लक्ष्य रखते हैं। यह मैच थोड़ा अलग हो सकता है क्योंकि आप बाकी मैचों से थोड़े अलग अंदाज में आ रहे हैं। लेकिन शुरुआती लक्ष्य पांच विकेट लेना है। एक बार जब हम करीब पहुंच जाएंगे, तो हम शायद अधिक यथार्थवादी परिस्थितियों पर बात करेंगे। सच कहूं तो यह कहना अभी बहुत दूर की बात है, लेकिन फिलहाल हमारा लक्ष्य इन सबके लिए तैयार रहने का प्रयास करना है। कमिंस ने इस तथ्य की ओर इशारा किया कि पहले तीन टेस्ट मैचों के कार्यक्रम में आठ दिनों का स्पष्ट अंतराल रखा गया था, इसलिए बैकअप लेना कोई समस्या नहीं हो सकती। लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि यह संभावना नहीं है कि ऑस्ट्रेलिया पूरी गर्मियों में एक अपरिवर्तित आक्रमण के साथ टिकेगा।

ओमान के जुझारूपन से भारतीय प्रशंसक खुश, पाकिस्तान से भी ज्यादा रोमांचिक रहा मुकाबला

अबू धाबी । भारत ने अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में एशिया कप 2025 के ग्रुप चरण के मुकाबले में ओमान को 21 रनों से हरा दिया, जो उम्मीद से कहीं ज्यादा कड़ा मुकाबला हुआ। हार के बावजूद ओमान ने अपनी जुझारूपन खासकर बल्ले से और मैच में भारतीय टीम को अंत तक दबाए रखकर भारतीय फैंस से भी प्रशंसा बटोरी। प्रशंसकों का मानना है कि भारत का ओमान से मैच पाकिस्तान के खिलाफ मैच से कहीं अधिक रोमांचिक रहा। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत 20 ओवर में 8 विकेट पर 188 रन बनाने में सफल रहा। पारी की शुरुआत युवा अभिषेक शर्मा ने की जिन्होंने शुभमन गिल (5) के जल्दी आउट होने के बाद 15 गेंदों में 38 रनों की आतिशी पारी खेली। संजू सैमसन ने संयमित पारी में 45 गेंदों में 56 रन बनाए। उन्होंने अभिषेक के साथ दूसरे विकेट के लिए 66 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। अक्षर पटेल (26) और तिलक वर्मा (29) की प्रभावपूर्ण पारियों ने भारत को 190 के करीब पहुंचाया। ओमान के लिए बाएं हाथ के स्पिनर आमिर कलीम (31 रन पर 2 विकेट), बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाह फैसल (23 रन पर 2 विकेट) और जितेन रामानंदी (33 रन पर 2 विकेट) ने अनुशासित गेंदबाजी की और अहम विकेट चटकाकर सुनिश्चित किया कि भारत मैच को एक तरफा न करें।

ओमान खिलाफ सूर्यकुमार के बल्लेबाजी न करने के फैसले पर बोले गावस्कर, उन्हें शायद अभ्यास की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने एशिया कप में ओमान के खिलाफ मैच में सूर्यकुमार यादव के बल्लेबाजी न करने और दूसरों को क्रीज पर मौका देने के फैसले पर अपनी राय साझा की। भारतीय कप्तान ओमान के खिलाफ बल्लेबाजी करने नहीं उतरे, जिससे अन्य खिलाड़ियों ने क्रीज पर कुछ जरूरी समय बिताया। इसके बावजूद संजू सैमसन के अर्धशतक की बदौलत भारत ने टूर्नामेंट का अब तक का संयुक्त रूप से सर्वोच्च स्कोर बनाया। गावस्कर ने सोनी स्पोर्ट्स पर कहा, अगर उन्होंने एक ओवर भी बल्लेबाजी की होती तो वह कुछ चौके और छक्के लगा सकते थे और यह उनके लिए अच्छा होता। लेकिन जिस तरह से उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ बल्लेबाजी की शायद उन्हें बल्लेबाजी अभ्यास की जरूरत नहीं है। उन्होंने सोचा होगा कि अगर भारत किसी मैच में जल्दी विकेट खो देता है तो कुलदीप यादव की बल्लेबाजी काम आ सकती है।

एशिया कप का खिताब जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम को बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने किया सम्मानित

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री सचिवालय में आयोजित सम्मान समारोह में हीरो एशिया कप, 2025 की विजेता भारतीय टीम के खिलाड़ियों, मुख्य प्रशिक्षक, सहायक प्रशिक्षकों को 10-10 लाख रुपये एवं सपोर्ट स्टाफ को 5-5 लाख रुपये की सम्मान राशि एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिये कुल 2 करोड़ 50 लाख रुपये का चेक दिया। मुख्यमंत्री ने भारतीय टीम के सभी खिलाड़ियों, मुख्य प्रशिक्षक, सहायक प्रशिक्षक, सपोर्ट स्टाफ को जीत की बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सीएम ने सभी खिलाड़ियों के साथ ग्रुप तस्वीर भी खिंचवाई। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्यमंत्री को हॉकी इंडिया के अध्यक्ष श्री भोला नाथ सिंह ने

प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि इस सम्मान के लिये मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का शुक्रिया अदा करता हूं। खेल के प्रति उनके प्रेम और लगाव के लिये हम सभी अपना आभार व्यक्त करते हैं। बिहार के लोगों में हॉकी खेल के प्रति जुनून है, इसे हमलोगों ने महसूस किया है। आपके नेतृत्व में बिहार में काफी बदलाव हुआ है और बिहार आगे बढ़ रहा है। बिहार के लोगों में आपके प्रति अपार प्रेम है। आपने खेल और खिलाड़ियों को प्रेरित करने के लिये कई इनिशिएटिव लिये हैं, इसकी प्रशंसा सभी जगह हो रही है। खेल और खिलाड़ियों के प्रति ऐसा स्नेह आपका हमेशा बना रहे। हाल ही में नालंदा जिले के राजगीर के हॉकी स्टेडियम में पुरुष हॉकी एशिया कप प्रतियोगिता 2025 का आयोजन 29 अगस्त से 07 सितम्बर तक हुआ था। इस प्रतियोगिता में 8 प्रमुख एशियाई टीमें चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, कजाकिस्तान, चीनी ताइपे, बांग्लादेश और भारत ने हिस्सा लिया था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में 17 अगस्त, 2025 को इस प्रतियोगिता के लोगो एवं शुभंकर का अनावरण किया गया था। मुख्यमंत्री ने 29.08.2025 को इस प्रतियोगिता का शुभारंभ राजगीर में किया था। भारत की पुरुष हॉकी टीम फाइनल में दक्षिण कोरिया को हराकर चैंपियन बनी थी।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने अर्शदीप सिंह

एजेंसी

दुबई। एशिया कप 2025 में ओमान के खिलाफ मुकाबले में अर्शदीप सिंह ने बड़ा कीर्तिमान अपने नाम किया। बाएं हाथ के तेज़ गेंदबाज़ अर्शदीप भारत के पहले ऐसे गेंदबाज़ बन गए हैं, जिन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 विकेट पूरे किए। यह उपलब्धि उन्होंने मैच के 20वें ओवर में विनायक शुक्ला को पवेलियन भेजकर हासिल की।

अर्शदीप ने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ साउथैम्पटन में भारत के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और अपने पहले ही मैच में 2/18 के आंकड़े दर्ज किए थे। इस मैच से पहले अर्शदीप ने भारत के लिए 63 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 99 विकेट चटकाए थे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अमेरिका के खिलाफ 4/9 रहा है। इसी साल जनवरी में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में उन्होंने बेन डकेट और फिल सॉल्ट को आउट कर भारत का सर्वाधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज़ बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। गौरतलब है कि अर्शदीप ने एशिया कप में शुक्रवार के मैच से पहले कभी भारत का प्रतिनिधित्व नहीं किया था। टीम इंडिया ने अब तक जसप्रीत बुमराह को ही एकमात्र प्रमुख तेज़ गेंदबाज़ के तौर पर खिलाया था।

भारत के लिए सर्वाधिक टी20अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले गेंदबाज

अर्शदीप सिंह - 100 विकेट (64 मैच)*

युजवेंद्र चहल - 96 विकेट (80 मैच)

हार्दिक पांड्या - 95 विकेट (116 मैच)

जसप्रीत बुमराह - 92 विकेट (72 मैच)

भुवनेश्वर कुमार - 90 विकेट (87 मैच)

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए तैयार, खेलेगी पांच मैचों की श्रृंखला

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पूरी तरह तैयार है। टीम 26 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक कैनबरा के नेशनल हॉकी सेंटर में पांच मैचों की रोमांचक सीरीज़ खेलेगी। मुकाबले 26, 27, 29, 30 सितंबर और 2 अक्टूबर को खेले जाएंगे। इस दौरान भारत अपने पहले तीन मैच ऑस्ट्रेलिया जूनियर महिला टीम के खिलाफ खेलेगा, जिसके बाद टीम स्थानीय क्लब कैनबरा चिल (जो ऑस्ट्रेलिया की हॉकी वन लीग में खेलता है) के खिलाफ दो मैचों में उतरेगी। यह दौरा भारतीय टीम के लिए बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि यह दिसंबर में सैंटियागो (चिली) में होने वाले एफआईएच जूनियर महिला हॉकी विश्व कप 2025 की तैयारियों का हिस्सा है। इस दौरे को 'आनंदना - द कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन' का समर्थन प्राप्त है, जिसकी मदद से भारतीय टीम को शीर्ष हॉकी खेलने वाले देशों में से एक

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने का अवसर मिला है ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह सीरीज़ भारतीय खिलाड़ियों को कठिन परिस्थितियों में खुद को परखने और बहुमूल्य अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का मौका देगी। खासतौर पर कई खिलाड़ियों के लिए यह पहला विदेशी दौरा होगा, जो उनके विकास और आत्मविश्वास के लिए अहम साबित होगा। टीम के कोच तुषार खांडेकर ने दौरे को लेकर कहा, हम इस अवसर के लिए आभारी हैं कि हमें ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने का मौका मिल रहा है।

आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप के आधिकारिक गीत 'ब्रिंग इट होम' का अनावरण

एजेंसी

दुबई। महिला क्रिकेट की ताकत, एकता और अटूट जज़्बे का जश्न मनाते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 का आधिकारिक गीत 'ब्रिंग इट होम' का अनावरण किया। इस गीत को भारत की मशहूर गायिका श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज दी है। इस अवसर पर श्रेया घोषाल ने कहा, आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के आधिकारिक गीत का हिस्सा बनकर मैं बेहद गर्व महसूस कर रही हूं। यह गीत महिला क्रिकेट की ताकत और एकता का उत्सव है। मुझे उम्मीद है कि यह प्रशंसकों को प्रेरित करेगा और उन्हें इस टूर्नामेंट की यादगार लम्हों से जोड़ देगा। यह ऊर्जावान धुन लय, मेलोडी और भावनाओं का संगम है, जो पूरी दुनिया के क्रिकेट प्रशंसकों को जोड़ने का प्रयास करती है। 'तरिकिटा तरिकिटा तरिकिटा धॉम' और ÷धक-धक, वी ब्रिंग इट होम÷ जैसे आकर्षक बोल हर महिला क्रिकेटर के सपनों और जुनून को दर्शाते हैं। गीत के बोलों में समर्पण और एकता की भावना झलकती है।

खास पंक्तियां - पत्थर पिघलाना है, एक नया इतिहास बनाना है खिलाड़ियों के संघर्ष और जज़्बे को सम्मान देती हैं। यह गाना स्पॉटिफाई, एप्पल म्यूजिक, अमेज़न म्यूजिक, जियोसावन, यूट्यूब म्यूजिक, इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 का आयोजन 30 सितंबर से 2 नवंबर तक होगा। मैच डीवाई पाटिल स्टेडियम (नवी मुंबई), एसीए स्टेडियम (गुवाहाटी), होल्कर स्टेडियम (इंदौर), एसीए-वीडीसीए स्टेडियम (विशाखापट्टनम) और आर प्रेमदासा स्टेडियम (कोलंबो, श्रीलंका) में खेले जाएंगे। टिकटों की बिक्री पहले ही शुरू हो चुकी है, जिसकी कीमतें मात्र 100 से शुरू हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने एआईएफएफ के नए संविधान को दी मंजूरी, भारतीय फुटबॉल के लिए 'नई शुरुआत' बताया

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के संविधान के मसौदे को कुछ संशोधनों के साथ मंजूरी दी और एआईएफएफ प्रशासन को इसे चार सप्ताह के भीतर अपनाने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस कदम को भारतीय फुटबॉल प्रशासन में एक महत्वपूर्ण मोड़ बताते हुए कहा, हमारा दृढ़ मत है कि संविधान के अनुच्छेद 84 के अनुसार अपनाए जाने के बाद ये भारतीय फुटबॉल के लिए एक नई शुरुआत होगी और इससे खेल नई ऊंचाइयों पर जाएगा। अपने विस्तृत फैसले में, न्यायमूर्ति नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली पीठ ने राज्य संघों के विरोध के बावजूद एआईएफएफ की आम सभा में 15 प्रतिष्ठित खिलाड़ियों को शामिल करने को बरकरार रखा। पीठ ने कहा, 'हमारा मानना है कि 15 प्रतिष्ठित खिलाड़ियों को शामिल करने की आवश्यकता से किसी भी तरह से संघ बनाने की स्वतंत्रता से समझौता नहीं होता है। यह संभव नहीं है, लेकिन निश्चित है कि प्रतिष्ठित

खिलाड़ियों, कोचों, रेफरी और क्लब प्रतिनिधियों को आम सभा में शामिल करने से, बेहतर प्रशासन के साथ, पारदर्शिता और निष्पक्ष खेल का मार्ग प्रशस्त होता है। न्यायमूर्ति नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, प्रतिष्ठित खिलाड़ियों की पात्रता के संबंध में, सर्वोच्च न्यायालय ने पूल को व्यापक बनाने के लिए मानदंडों में ढील दी। न्यायमूर्ति एल.एन. राव द्वारा सुझाए गए मानदंडों को पुरुषों के लिए 5 मैचों और महिलाओं के लिए 2 मैचों से घटाकर उचित माना जाएगा। हमें उम्मीद है कि इस तरह के संशोधन से सेवानिवृत्त खिलाड़ियों का एक व्यापक समूह और भागीदारी सुनिश्चित होगी, जो खुद को भारतीय फुटबॉल के कुशल प्रशासक और मार्गदर्शक साबित करेंगे। बीसीसीआई के फैसलों से प्रेरित प्रशासनिक सुधारों को मंजूरी देते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने उन तर्कों को खारिज कर दिया कि फुटबॉल का संदर्भ अलग था। फैसले में कहा गया, यह मौजूदा प्रक्रिया मुख्य रूप से फुटबॉल के बारे में है, लेकिन व्यापक स्तर पर, यह खेल प्रशासन में व्यावसायिकता, दक्षता और निष्पक्षता लाने की भी एक प्रक्रिया है, जो भारतीय फुटबॉल को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। बीसीसीआई के फैसलों को केवल इस आधार पर अलग करना कि बीसीसीआई एक एनएसएफ (राष्ट्रीय खेल महासंघ) नहीं है, जबकि एआईएफएफ है, कोई लाभ नहीं देता। इस दृष्टिकोण से, एआईएफएफ और राज्य संघ द्वारा दिए गए तर्क खारिज किए जाते हैं। एआईएफएफ को अपने नवीनतम फैसले में निर्दिष्ट संशोधनों के साथ संविधान के मसौदे को अपनाने के लिए चार सप्ताह के भीतर एक विशेष आम सभा की बैठक बुलाने का निर्देश देते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, ÷हमारा देश होनहार खेल प्रतिभाओं से भरा पड़ा है, जिन्हें उपयुक्त अवसर और संगठनात्मक समर्थन की आवश्यकता है। हमारा मानना ??है कि एआईएफएफ का संविधान इस संबंध में एक महत्वपूर्ण संरचनात्मक आधार है, और भारतीय खेलों के हितधारकों की यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी कि भारतीय फुटबॉल रोमांचक, प्रतिस्पर्धी और मूल्य-उन्मुख बना रहे और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में अपनी पहचान बनाए रखे।

उम्मीद नहीं थी कि सत्र का अंत ऐसा होगा : विश्व चैंपियनशिप में खिताब का बचाव ना कर पाने पर बोले नीरज चोपड़ा

एजेंसी।

नई दिल्ली। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा कि विश्व चैंपियनशिप में आठवें स्थान पर रहना उनके लिए सत्र के अंत की उम्मीद के अनुरूप नहीं था लेकिन वह ब्रेक के बाद दमदार वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पिछली बार के चैंपियन चोपड़ा गुरुवार को तोक्यो में 84.03 मीटर ही भाला फेंक सके और पांचवें दौर के बाद बाहर हो गए। इस दौरान वह पीठ दर्द से परेशान रहे। उन्होंने बाद में खुलासा किया कि पीठ की समस्या इस महीने की शुरुआत से ही उन्हें परेशान कर रही थी, लेकिन वह इसे अपने खराब प्रदर्शन का कारण नहीं बताना चाहते थे। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण कर रहे सचिन यादव की सराहना की, जिन्होंने 86.27 मीटर की शानदार थ्रो के साथ उनसे बेहतर प्रदर्शन किया और चौथे स्थान पर रहे। चोपड़ा ने एक्स पर लिखा, 'मैंने तोक्यो में विश्व चैंपियनशिप के साथ सत्र का इस तरह से अंत करने की उम्मीद नहीं की थी। मैं सभी चुनौतियों के बावजूद भारत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता था, लेकिन वह मेरा दिन नहीं था। उन्होंने कहा, 'मैं सचिन के लिए बहुत खुश हूं, जिन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और वह लगभग पदक जीत ही गए थे। स्वर्ण पदक त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वाल्कोट (88.16 मीटर) को मिला। उनके बाद ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (87.38 मीटर) और अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन (86.67 मीटर) का स्थान रहा। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 27 वर्षीय चोपड़ा ने अधिक मजबूती हासिल करके दमदार वापसी करने का वादा किया। उन्होंने कहा, 'आप सभी के समर्थन के लिए आभारी हूं। इससे मुझे दमदार वापसी करने की प्रेरणा मिलती है।

उत्तराखंड प्रीमियर लीग में ऋषिकेश फाल्कन्स 27 सितंबर को टिहरी टाइटन्स से भिड़ेगी

एजेंसी

ऋषिकेश। ऋषिकेश फाल्कन्स की टीम 27 सितंबर से उत्तराखंड प्रीमियर लीग के सीज़न 2 में अपने अभियान की शुरुआत करने जा रही है। इस दिन वह दूसरे मुकाबले में टिहरी टाइटन्स से भिड़ेगी। सभी मुकाबले देहरादून के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। हाल ही में प्लेयर ड्राफ्ट के जरिए टीम में जगदीश सुचित को आइकन खिलाड़ी के रूप में चुनने वाली ऋषिकेश फाल्कन्स फिलहाल काफी सशक्त नजर आ रही है। उत्तराखंड प्रीमियर लीग में महिला मुकाबलों की शुरुआत 23 सितंबर से की जाएगी, जबकि पुरुष मुकाबले 27 सितंबर से शुरू होंगे। अपने शुरुआती मैच के बाद ऋषिकेश फाल्कन्स 28 सितंबर को नैनीताल टाइगर्स से भिड़ेंगे और फिर 29

सितंबर को प्राइम-टाइम मुकाबले में हरिद्वार एल्मास का सामना करेंगे। इसके बाद टीम 30 सितंबर को दूधिया रोशनी के बीच मौजूदा चैंपियन यूएसएन इंडियंस से भिड़ेगी। टीम अपने अंतिम दो लीग मैच 3 और 4 अक्टूबर को क्रमशः देहरादून वॉरियर्स और पिथौरागढ़ हरिकेन्स के खिलाफ खेलेगी।

ऋषिकेश फाल्कन्स के बारे में टीम के मालिक देव केसरीवानी ने कहा कि, हमें पूरा विश्वास है कि ऋषिकेश फाल्कन्स शानदार क्रिकेट खेलेंगे और ऋषिकेश सहित सभी प्रशंसकों को गर्व महसूस कराएंगे। टीम पूरी से तैयार है और हम अपने पहले ही मैच से अच्छा क्रिकेट दिखाने के लिए उत्सुक हैं।

ऋषिकेश फाल्कन्स की टीम

जगदीशा सुचित (आइकन) (ऑलराउंडर), सनी कश्यप (ऑलराउंडर), अखिल सिंह रावत (विकेटकीपर), जगमोहन नागरकोटी (गेंदबाज), निखिल पुंडीर (ऑलराउंडर), एलेन चेतन (बल्लेबाज), लक्ष्य रायचंदानी (बल्लेबाज), रियंश रावत (गेंदबाज), अभिषेक भरतवाल (बल्लेबाज), पूर्वांश ध्रुव (बल्लेबाज), जसकरण सिंह (ऑलराउंडर), हार्दिक चौधरी (गेंदबाज), आश्मन गुलाटी (बल्लेबाज), आर्यन गर्ग (गेंदबाज), क्षितिज नेगी (बल्लेबाज), राहुल (ऑलराउंडर), यश वैष्णव (बल्लेबाज), गोपाल सिंह (बल्लेबाज), शिखर बल्यान (बल्लेबाज), मनु कुमार (बल्लेबाज), युवराज चौहान (ऑलराउंडर)।

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम पर धीमी ओवर गति के लिए लगाया गया जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। नई चंडीगढ़ में मंगलवार को खेले गए भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरे महिला वनडे में ऑस्ट्रेलियाई टीम को धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना भरना पड़ा। टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी की सदस्य जी. एस. लक्ष्मी ने यह सजा सुनाई।

समय छूट को ध्यान में रखने के बाद भी ऑस्ट्रेलियाई टीम निर्धारित लक्ष्य से दो ओवर पीछे पाई गई। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार न्यूनतम ओवर गति के उल्लंघन पर प्रत्येक ओवर के लिए खिलाड़ियों की मैच फीस का 5 प्रतिशत काटा जाता है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने इस गलती को स्वीकार करते हुए जुर्माने को मान लिया, जिसके बाद

औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी इस मामले में ऑन-फील्ड अंपायर वृंदा राठी और जननी नारायणन, तीसरे अंपायर लॉरेन एजनबैग और चौथे अंपायर गायत्री वेणुगोपालन ने आरोप लगाए थे। भारतीय महिला टीम ने यह मैच 102 रनों से जीतकर तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में 1-1 की बराबरी कर ली है। पहला मैच ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट से जीता था।

बुमराह को पाकिस्तान के खिलाफ मैच में आराम देना चाहिए, विश्व कप विजेता की गंभीर को सलाह

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने अबू धाबी के शेख जायेद स्टेडियम में ओमान के खिलाफ ग्रुप ए के अंतिम मैच से पहले गौतम गंभीर और सूर्यकुमार यादव को एक आसान सी सलाह दी है। 1983 विश्व कप विजेता टीम के दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस मैच और रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले सुपर 4 मुकाबले से आराम देना चाहते हैं। गावस्कर ने कहा कि ऐसा करने से प्रबंधन को 28 सितंबर को होने वाले एशिया कप फाइनल के लिए इस तेज गेंदबाज को तरोताजा रखने में मदद मिलेगी। गावस्कर ने कहा कि ओमान के खिलाफ मैच भारत को अपने बल्लेबाजों को परखने का मौका देगा। उन्होंने कहा कि संजू सैमसन, तिलक वर्मा और हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ियों को क्रीज पर कुछ समय देना चाहिए। बुमराह ने अब तक एशिया कप के दोनों मैच खेले हैं, संयुक्त अरब अमीरात और पाकिस्तान के खिलाफ, जहां उन्होंने 3 विकेट लिए हैं। इस तेज गेंदबाज ने थोड़ी सुस्ती दिखाई है, इसलिए यह तय नहीं है कि प्रबंधन इस पर ध्यान देगा या नहीं। ज़्यादा नियमित खेल समय बुमराह को जल्द से जल्द अपनी लय वापस पाने में मदद करेगा। इससे पहले, 31 वर्षीय बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ सभी पाँच टेस्ट मैच नहीं खेल पाए थे।

न्यूजीलैंड टी20 दौरे से बाहर हुए इंग्लिस, कैरी टीम में शामिल

एजेंसी

मेलबर्न।ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज जॉश इंग्लिस पिंडली की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह एलेक्स कैरी को टीम में शामिल किया गया है। जानकारी के अनुसार, इंग्लिस को मंगलवार को पर्थ में दौड़ने के सत्र के दौरान दाहिनी पिंडली में खिंचाव महसूस हुआ। स्कैन के बाद उन्हें श्रृंखला से बाहर कर दिया गया। यह मुकाबले 1, 3 और 4 अक्टूबर को माउंट माउंगानुई में खेले जाएंगे। इंग्लिस इस श्रृंखला से बाहर होने वाले चौथे प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं। इससे पहले पैट कमिंस (कमर की चोट), कैमरन ग्रीन (शेफील्ड शील्ड की तैयारी) और नाथन एलिस (पहले बच्चे के जन्म के कारण) भी उपलब्ध नहीं हो पाए।

इंग्लिस को पिछले नौ महीनों में दूसरी बार पिंडली की चोट लगी है। दिसंबर 2024 में भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान भी उन्हें चोट लगी थी, जिसके चलते वे बिग बैश लीग का बाकी सीजन मिस कर गए थे। हालांकि, उम्मीद है कि वे 19 अक्टूबर से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला तक फिट हो

जाएंगे। ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं के लिए यह चोट परेशानी लेकर आई है क्योंकि शुरुआती 14 सदस्यीय दल में कोई अतिरिक्त विकेटकीपर शामिल नहीं था। कैरी अब अपने शील्ड सीजन का हिस्सा सीमित तौर पर ही बन पाएंगे, क्योंकि उन्हें वनडे और टेस्ट सीरीज से पहले टीम के साथ रहना होगा। टी20 प्रारूप में कैरी का रिकॉर्ड बहुत प्रभावशाली नहीं रहा है, लेकिन उन्होंने हाल ही में कर्न्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इंग्लिस की अनुपस्थिति में विकेटकीपर की भूमिका निभाई थी। ऑस्ट्रेलिया की चयन समस्याएं आने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए भी चिंता का विषय बन सकती हैं, क्योंकि आईसीसी नियमों के तहत सिर्फ 15 खिलाड़ी ही चुने जा सकते हैं और चोटिल खिलाड़ी की जगह केवल पूरी तरह बाहर होने पर ही बदला जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम (न्यूजीलैंड दौरा)

मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबट, जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, टिम डेविड, बेन ड्वार्शुइस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, मैट कूनेमन, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टॉइनिस, एडम जाम्पा।

सुजुकी ने मोटरसाइकिल के दाम 18 हजार रुपये तक घटाए, नई दरें 22 सितंबर से होंगी प्रभावी

एजेंसी

नई दिल्ली। । सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने जीएसटी 2.0 सुधारों का पूरा लाभ ग्राहकों को देने का ऐलान किया है। कंपनी ने अपने सभी मॉडलों की कीमतों में 18,024 रुपये तक की कटौती की है। ये नई कीमतें 22 सितंबर से लागू होंगी। सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएमआईपीएल) ने जारी एक बयान में कहा कि वह जीएसटी 4दर में कटौती का फायदा ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए अपने स्कूटर्स और बाइक्स की कीमतों में 18,024 रुपये तक की कटौती करेगी। कंपनी ने कहा कि 22 सितंबर, 2025 से प्रभावी संशोधित कीमतों के साथ ग्राहक इस बचत का आनंद ले सकते हैं। कंपनी ने बताया कि दोपहिया वाहनों के साथ ही कलपुर्जों और अन्य सहायक उपकरणों की लागत में भी कमी आएगी। ये कटौती सरकार द्वारा 350 सीसी से कम क्षमता वाले दोपहिया वाहनों पर जीएसटी दरों में कटौती की घोषणा के बाद की गई है। कंपनी के बिक्री एवं विपणन उपाध्यक्ष दीपक मुटरेजा ने कहा कि हम भारत सरकार के जीएसटी 2.0 सुधारों का स्वागत करते हैं, जो आम जनता के लिए परिवहन को और अधिक किफायती बनाने की दिशा में एक प्रगतिशील कदम है। उन्होंने कहा कि त्योहारी सत्र से ठीक पहले दोपहिया वाहनों की मांग बढ़ेगी।

अब डाकघरों से खरीद सकेंगे BSNL की सिम, रिचार्ज की कोई झंझट नहीं

नई दिल्ली। बीएसएनएल के दूरसंचार बुनियादी ढांचे को भारतीय डाक की देशव्यापी उपस्थिति के साथ जोड़कर, यह साझेदारी नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण के लिए प्राइवेट क्षेत्र के तालमेल में एक नया मानदंड स्थापित करती है। डाक विभाग और सरकारी टेलीकॉम कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड ने समझौता ज्ञापन(एमओयू) पर साइन किया है, जिसके तहत बीएसएनएल के सिम कार्ड्स की बिक्री और रिचार्ज सुविधा डाकघरों पर उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार की ओर से आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल विभाजन को कम करना है। सरकार ने अनुसार, भारतीय डाक के 1.65 लाख डाकघर बीएसएनएल प्रीपेड सिम कार्ड और टॉप-अप सेवाओं के लिए बिक्री केंद्र के रूप में काम करेंगे। बीएसएनएल सिम स्टॉक और प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जबकि डाक विभाग बीएसएनएल के लिए नए ग्राहकों को जोड़ेगा और मानकीकृत एवं सुरक्षित तरीके से लेनदेन की सुविधा प्रदान करेगा।

अमेरिकी शुल्कों का भारत पर प्रभाव सीमित होगा: जापानी रेटिंग एजेंसी आर एंड आई

नई दिल्ली। जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी रेटिंग एंड इन्वेस्टमेंट इंफॉर्मेशन, इंक. (आर एंड आई) ने कहा है कि भारत के निर्यात पर अमेरिका में ऊंचे शुल्क का प्रभाव सीमित रहेगा क्योंकि भारतीय उत्पादकों की अमेरिकी बाजार पर निर्भरता कम है। एजेंसी का यह भी मानना है कि वस्तु एवं सेवा कर में किये गए हाल के सुधार से राजस्व में कुछ कमी आयेगी पर उपभोग बढ़ने से इसका प्रभाव सीमित होगा। आर एंड आई ने भारत की वित्तीय साख को उन्नत करते हुए अपनी रिपोर्ट में अमेरिका द्वारा हाल ही में भारत के सामानों पर अपने यहां आयात पर शुल्क में की गई वृद्धि को एक जोखिम के कारक के रूप में स्वीकार किया। हालाँकि उसने टिप्पणी की है कि निर्यात के लिए भारत की अमेरिका के बाजार पर सीमित निर्भरता और घरेलू मांग-संचालित विकास मॉडल से अमेरिका में ऊंचे शुल्क के प्रभाव सीमित होंगे। इसके अलावा, आरएंडआई ने यह भी कहा कि जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने से राजस्व में कमी आएगी, लेकिन निजी उपभोग को बढ़ावा देकर इस नकारात्मक प्रभाव की कुछ हद तक भरपाई की जा सकेगी। एजेंसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रशासन की नीतियों की भी प्रशंसा की है और कहा है कि उनका मुख्य उद्देश्य विदेशी निर्माताओं को भारत की ओर आकर्षित करना, बुनियादी ढाँचे का विकास करना, कारोबारी माहौल में सुधार के लिए कानूनी ढाँचे को संस्थागत बनाना, ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम करना और आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस का आईपीओ 23 सितंबर को खुलेगा

अहमदाबाद। सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड का 490 करोड़ रुपये का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 23 सितंबर को खुलेगा। कंपीन की ओर से यहां जारी बयान में कहा कि इक्विटी शेयरों का कुल ऑफर साइज 490 करोड़ रुपये तक है, जिसमें 440 करोड़ रुपये तक का नया इश्यू और सेलिंग शेयरधारकों द्वारा 50 करोड़ रूपये तक का ऑफर फॉर सेल शामिल है। एंकर निवेशक बोली लगाने की तारीख सोमवार, 22 सितंबर होगी। बोली/प्रस्ताव सब्सक्रिप्शन के लिए मंगलवार, 23 सितंबर को खुलेगा और गुरुवार, 25 सितंबर को बंद होगा। ऑफर का प्राइस बैंड 333 से 351 रूपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 42 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 42 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगाई जा सकती है। कंपनी इक्विटी शेयरों के नए इश्यू और प्री-आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग अपने सहायक, कार्तिक सोलरवर्ल्ड प्राइवेट लिमिटेड (केएसपीएल) में निवेश के लिए करना चाहती है।

जीएसटी दरों में सुधार का लाभ किसानों को बताएगा कृषि मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में सुधार का लाभ किसानों को बताएगा। इस संबंध में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। इस बैठक में ट्रैक्टर एवं कृषि यंत्रीकरण संघ (टीएमए), कृषि मशीनरी निर्माता संघ (एएमएमए), अखिल भारतीय कम्बाइन हार्वेस्टर निर्माता संघ (एआईसीएमए) तथा पावर टिलर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (पीटीएआई) सहित अन्य संबंधित संगठनों के प्रतिनिधियों ने व्यक्तिगत और वर्चुअल माध्यम से भागीदारी की। बैठक के बाद चौहान ने मीडिया से कहा कि कृषि यंत्रों पर भी जीएसटी की दरें जो पहले 18 प्रतिशत और 12 प्रतिशत थीं, अब घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई हैं। यह

घटी हुई दरें 22 सितंबर से लागू हो जाएंगी। इसका लाभ सीधा किसान भाइयों-बहनों को मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि ट्रैक्टर 35 एचपी अब 41,000 रुपये सस्ता हो गया है। ट्रैक्टर 45 एसपी पर अब 45,000 रुपये सस्ता मिलेगा। वहीं ट्रैक्टर 50 एचपी पर 53,000 रुपये और ट्रैक्टर 75 एचपी पर 63,000 रुपये की बचत होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बागवानी व निराई-गुड़ाई करने वाले छोटे ट्रैक्टर पर भी बचत होगी। छोटे से लेकर बड़े ट्रैक्टर्स पर जीएसटी दरों में कमी के बाद कीमत कम हो गई है। पावर वीडर- 7.5 एचपी की कीमत अब 5,495 रुपये कम हो गई है। सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल- 11 टाइन अब 10,500 रुपये सस्ता मिलेगा। सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल - 13 टाइन 3,220 रुपये कम कीमत में मिलेगा। हार्वेस्टर कंबाइन पर अब 4,375 रुपये की बचत होगी। वहीं 14 फीट कटर बार का दाम सीधे-सीधे 1,87,500 रुपये कम हो गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्ट्रॉ रीपर- 5 फीट अब 21, 875 रुपये सस्ता मिलेगा। सुपर सीडर- 8 फीट खरीदने पर 16,875 रुपये बचेंगे। हैप्पी सीडर- 10 टाइन 10,625 रुपये सस्ता हो गया है। रोटावेटर- 6 फीट खरीदने पर 7,812 रुपये की बचत होगी। स्क्वायर बेलर- 6 फीट पर 93,750 रुपये कम होंगे।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार फिर बढ़कर पहुंचा 700 अरब डॉलर के पार

एजेंसी

मुंबई। विदेश मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे हफ्ते इजाफा दर्ज हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12 सितंबर को समाप्त हफ्ते में 4.7 अरब डॉलर बढ़कर 702.97 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पिछले हफ्ते देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.04 अरब डॉलर बढ़कर 698.27 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि इस अवधि में मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.54 अरब डॉलर बढ़कर 587.01 अरब डॉलर हो गईं। देश का स्वर्ण भंडार 2.12 अरब डॉलर बढ़कर 92.42 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई के मुताबिक इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 3.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.77 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में भारत की आरक्षित भंडार 90 लाख डॉलर बढ़कर 4.76 अरब डॉलर पहुंच गया। देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार इससे पहले सितंबर, 2024 के अंत में बढ़कर अब तक के उच्चतम स्तर 704.88 अरब डॉलर पर पहुंच गया था।

अडाणी समूह का मार्केट कैप एक ही दिन में 69 हजार करोड़ रुपये उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की क्लीन चिट मिलने के बाद अडाणी समूह की सभी कंपनियों के शेयरों में भारी उछाल देखने को मिला।

इससे समूह का संयुक्त रूप से बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 69 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक अडाणी पावर 12.40 फीसदी की उछाल के साथ सबसे आगे रही। कारोबार के दौरान इसका शेयर उछलकर अपने 52 हफ्ते के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अडाणी टोटल गैस में 7.35 फीसदी, अडाणी ग्रीन एनर्जी में 5.33 फीसदी और अडाणी एंटरप्राइजेज में 5.04 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस भी 4.70 फीसदी चढ़ा। इसके अलावा सांघी इंडस्ट्रीज में 1.41 फीसदी, एसीसी में 1.21 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स में 1.09 फीसदी और अंबुजा सीमेंट्स में 0.28 पीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

इस व्यापक तेजी का असर ये हुआ कि समूह की सभी कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य 13.96 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस तरह एक ही दिन में अडाणी समूह का बाजार मूल्यांकन 69,000 करोड़ रुपये से अधिक बढ़ गया। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने अमेरिकी फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च के लगाए आरोपों पर अडाणी समूह और उसके चेयरमैन गौतम अडाणी को क्लीन चिट दे दिया है। इस सकारात्मक घटनाक्रम का समूह की सभी कंपनियों के शेयरों पर अनुकूल असर देखने को मिला। वहीं, वैश्विक ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली की अडाणी पावर के बारे में जारी की गई सिफारिश ने भी निवेशक धारणा पर अनुकूल असर डाला। इससे निवेशकों का भरोसा लौटा और समूह की कंपनियों में मजबूत खरीदारी देखने को मिली है।

भारत-न्यूजीलैंड व्यापार वार्ता का तीसरा दौर पूरा, अक्टूबर में होगी अगली बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर तीसरे दौर की वार्ता न्यूजीलैंड के क्राइस्टाउन में पूरी हो गई। बैठक के दौरान चर्चा से आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और संतुलित एवं पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते पर शीघ्र निष्कर्ष निकालने की दिशा में काम करने की दोनों देशों ने साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक भारत और न्यूजीलैंड प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए अगले दौर की व्यक्तिगत बातचीत 13 और 14 अक्टूबर के बीच नई दिल्ली में करेंगे, जबकि अंतर-सत्रीय बैठकों के माध्यम से चर्चा जारी रहेगी। न्यूजीलैंड के क्राइस्टाउन में 15-19 सितंबर तक हुई तीसरे दौर की वार्ता में द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा हुई। तीसरे दौर की बातचीत में समझौते के सभी क्षेत्रों पर रचनात्मक चर्चा हुई। इस दौरान कई अध्याय पूरे हुए और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई। दोनों पक्षों ने अंतर-सत्रीय वार्ताओं के जरिए गति बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की। इस स्तर की वार्ताओं का

दौर इसी साल 16 मार्च को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार एवं निवेश मंत्री टॉड मैक्ले की बैठक के दौरान शुरू किया गया था। वाणिज?य मंत्रालय ने कहा कि? आमने-सामने की बातचीत का अगला दौर 13-14 अक्टूबर को नई दिल्ली में होगा। मंत्रालय ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में न्यूजीलैंड के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापारिक व्यापार 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 49 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। प्रस्तावित एफटीए से व्यापार प्रवाह को और बढ़ावा मिलने, निवेश संबंधों को बढ़ावा मिलने, आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन को मजबूत करने और दोनों देशों में व्यवसायों के लिए विश्वसनीय ढांचा तैयार होने की उम्मीद है।

फ्लिपकार्ट पर शॉपिंग फेस्टिवल 23 सितंबर से, आईफोन-17 होगा मिनटों मे डिलीवर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत समेत दुनिया के कई देशों में ऐप्पल का आईफोन-17 लॉन्च हो गया है। देश की ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट कंपनी की 23 सितंबर से शुरू हो रहे शॉपिंग फेस्टिवल में भी इस सीरिज के फोन उपलब्ध होंगे। कंपनी का दावा है कि आईफोन-17 महज 10 मिनट में आपके घर पर डिलीवर होगा। फ्लिपकार्ट प्लस मेंबर्स के लिए यह सेल एक दिन पहले शुरू हो जाएगी।हालांकि, यह फोन दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरु में ही उपलब्ध होगा। ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने एक बयान में कहा कि अगले हफ्ते 23 सितंबर से उसका फ्लैगशिप शॉपिंग फेस्टिवल बिग बिलियन डेज 2025 (टीबीबीडी) का 12वां संस्करण शुरू हो रहा है। इस दौरान क्विक कॉमर्स प्लेटफार्म फ्लिपकार्ट मिनट्स पर अन्य सामानों के अलावा स्मार्टफोन भी उपलब्ध होगा। कंपनी के मुताबिक उसकी त्वरित कॉमर्स पेशकश फ्लिपकार्ट

मिनट्स आधी रात से होने वाली 10 मिनट की डिलीवरी के जरिए ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए तैयार है। फ्लिपकार्ट मिनट्स के साथ टीबीबीडी लाखों उत्पादों, बेहतरीन डील्स और सुविधाजनक डिलीवरी के साथ सबसे तेज शॉपिंग फेस्टिवल बनने के लिए तैयार है, जो कुछ ही मिनटों में बाजारों में उपलब्ध होगा। फ्लिपकार्ट की क्विक सर्विस इस समय देश के 19 शहरों में उपलब्ध है। कंपनी का दावा है कि इन शहरों में करीब 3,000 पिन कोड्स पर फ्लिपकार्ट मिनट्स की सर्विस उपलब्ध है। इस पर मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, डेली इसेंशियल्स, ब्यूटी, पर्सनल केयर, ग्रॉसरी और कई अन्य सामानें मिलती हैं। जैसे ही आप आर्डर देते हैं, 10 मिनट या कभी 15 मिनट में सामान आपके घर पर डिलीवर कर दिया जाता है। कंपनी ने कहा कि इन प्रमुख शहरों में अहमदाबाद, अंबाला, बेंगलुरु, मैसूर, चेन्नई, दिल्ली, गुड़गांव, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, जयपुर, कानपुर, लखनऊ, पटना, गुवाहाटी, कोलकाता, मुंबई, पुणे, ठाणे शामिल हैं। प्रमुख वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेमंत बद्री ने कहा, जैसे-जैसे उपभोक्ता द बिग बिलियन डेज 2025 के जादू को देखने की तैयारी कर रहे हैं। फ्लिपकार्ट मिनट्स भारत के सबसे बड़े शॉपिंग फेस्टिवल के अनुभव को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए तैयार है। उन्होंने बताया कि अंबाला, गुवाहाटी, जयपुर, लखनऊ, कानपुर और पटना जैसे टियर 2+ बाज़ार, फ़्लिपकार्ट मिनट्स पर त्योहारी रुझान को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं।

मुद्रा बाजार में दबाव के बावजूद डॉलर की तुलना में 5 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों, डॉलर इंडेक्स की मजबूती और स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद मुद्रा बाजार में रुपये ने आज अपनी मजबूती बनाए रखी। मुद्रा बाजार में दबाव बढ़ने के बाद भी रुपया आज डॉलर की तुलना में मजबूती के साथ बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 5 पैसे उछल कर 88.09 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को भारतीय मुद्रा 88.14 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी।रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 8 पैसे की गिरावट के साथ 88.22 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद रुपया 20 पैसे की फिसलन के साथ 88.34 के स्तर तक भी पहुंच गया, लेकिन इसके बाद रुपये ने रिकवरी शुरू कर दी। आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले रुपया निचले स्तर से 28 पैसे की रिकवरी करके 8 पैसे की मजबूती के साथ 88.06 के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 5 पैसे की उछाल के साथ 88.09 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी मजबूती दिखाई। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 1.30 रुपये की तेजी के साथ 118.96 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 73 पैसे की उछाल के साथ 103.60 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुआ।

रिपोर्ट में दावा- भारत में तेजी से बढ़ रहे अमीर परिवार, हर 30 मिनट में एक नया मिलेनियर्स

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत में अमीरों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी होने का दावा मर्सिडीज बेंज हुरून इंडिया वेल्थ रिपोर्ट 2025 में किया गया है, जिससे भारत ग्लोबल वेल्थ सेंटर के रूप में उभर रहा है। रिपोर्ट में वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्था में हो रहे उतार-चढ़ाव की वजह से बनी चुनौतियों के बावजूद भारत में हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (एनएचआई) और मिलेनियर्स की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी होने की बात कही गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में अभी करीब 8.71 लाख ऐसे करोड़पति परिवार हैं, जिनकी नेटवर्थ एक मिलियन डॉलर या उससे अधिक है। मर्सिडीज बेंज हुरून इंडिया वेल्थ रिपोर्ट 2025 के अनुसार मिलेनियर्स की संख्या के मामले में देश में मुंबई और दिल्ली सबसे आगे हैं। इस

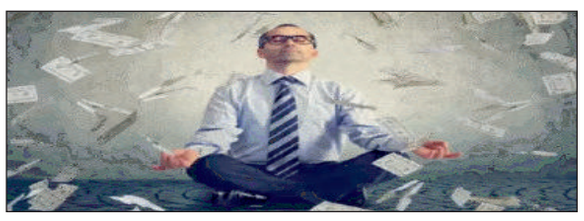

रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि हर 30 मिनट में देश में एक नया परिवार मिलेनियर का दर्जा हासिल कर रहा है। पिछले 4 साल की अवधि में देश में ऐसे अमीरों की संख्या में करीब 90 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इस रिपोर्ट के अनुसार 2025 में देश में मिलिनेयर्स की संख्या बढ़ कर 8,71,700 हो गई है। इसके पहले 2024 में देश में मिलिनेयर परिवारों की कुल संख्या 7.41 लाख थी। इसी तरह 2023 में देश में ऐसे धनी परिवारों की संख्या 6.31 लाख, 2022 में 5.38 लाख और 2021 में मिलिनेयर परिवारों की कुल संख्या 4.58 लाख थी। इस रिपोर्ट के अनुसार देश में मुंबई में सबसे अधिक मिलेनियर परिवार रहते हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 1.42 लाख मिलेनियर परिवार रहते हैं, जबकि पूरे महाराष्ट्र में ऐसे अमीर परिवारों की संख्या 1,78,600 है। मिलेनियर परिवारों की संख्या के मामले में देश में दिल्ली दूसरे स्थान पर है। दिल्ली में ऐसे अमीर परिवारों की संख्या 68,200 है, जबकि बेंगलुरु में 31,600 मिलेनियर्स रहते हैं। कोलकाता में ऐसे अमीर परिवारों की संख्या 26,600 है। चेन्नई में एक मिलियन डॉलर या उससे अधिक नेटवर्थ वाले करोड़पति परिवारों की संख्या 22,800 है। पुणे में ऐसे परिवारों की संख्या 22,500 और हैदराबाद में ऐसे 19,800 परिवार हैं।

ऑयल इंडिया और एचसीएल ने खनिजों के अन्वेषण और विकास के लिए किया समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ऑयल इंडिया लिमिटेड और हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता तांबा सहित महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों के अन्वेषण एवं विकास में सहयोग करेगा। खान मंत्रालय के मुताबिक एचसीएल और ऑयल इंडिया के बीच यह सहयोग भारत की खनिज सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। भारत सरकार के राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप यह साझेदारी देश की ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक विकास और तकनीकी उन्नति के लिए आवश्यक रणनीतिक खनिज संसाधनों को सुरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। एचसीएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध

निदेशक संजीव कुमार सिंह और ऑयल इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. रंजीत रथ की मौजूदगी में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। खान मंत्रालय के अधीन मिनीरत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम एचसीएल तांबे के अयस्क के खनन और संवर्धन तथा तांबे के सांद्रण की बिक्री पर केंद्रित है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत एक महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड को कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की खोज, विकास, उत्पादन और परिवहन में विशेषज्ञता है।

ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज का आईपीओ 24 सितंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 194-204 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

मुंबई। ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 24 सितंबर को खुलेगा। इसमें निवेश करने के लिए निवेशक 26 सितंबर तक बोली लगा सकते हैं। इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 194-204 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। ईपैक प्रीफैब टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने एक बयान में बताया कि उसका आईपीओ 26 सितंबर को बंद होगा। 504 करोड़ रुपये का यह सार्वजनिक प्रस्ताव 300 करोड़ रुपये की ताजा शेयर बिक्री और 204 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश का संयोजन है। इसमें निवेशक न्यूनतम 73 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 73 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं, जिसमें खुदरा निवेशकों के लिए अधिकतम 14,892 रुपये का न्यूनतम निवेश आवश्यक है। कंपनी नए निर्गम से प्राप्त 102.9 करोड़ रुपये का उपयोग राजस्थान के शाहजहांपुर के घिलोथ औद्योगिक क्षेत्र में एक नई विनिर्माण सुविधा स्थापित करने में करेगी। इसके अलावा 58.1 करोड़ रुपये का उपयोग आंध्र प्रदेश में मौजूदा विनिर्माण सुविधा के विस्तार के लिए करेगी, जबकि 70 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी कुछ उधारों के पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान या पूर्व-भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी।

मुनाफा वसूली ओर कमजोर ग्लोबल संकेतों से गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेत, रुपये की कमजोरी और मुनाफा वसूली के कारण घरेलू शेयर बाजार में पिछले तीन दिन से जारी तेजी पर आज ब्रेक लग गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद दिन के पहले सत्र में लगातार दबाव बना रहा। हालांकि दोपहर एक बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर भी बनाया, लेकिन शेयर बाजार लाल निशान में ही कारोबार करता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.47 प्रतिशत और निफ्टी 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान एनर्जी, मेटल, रियल्टी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, कैपिटल गुड्स और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, बैंकिंग, आईटी, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में कमजोरी आने के बावजूद स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 466.49 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 465.73 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 76 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,316 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,131 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,003 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 182 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,774 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,356 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,418 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए।कारोबार की शुरुआत होने के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक नीचे गिरता चला गया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से दोपहर 12 बजे के बाद ये सूचकांक 528.04 अंक टूट कर 82,485.92 अंक तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिसके कारण इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 387.73 अंक की गिरावट के साथ 82,626.23 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 13.40 अंक फिसल कर 25,410.20 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक कुछ पल के लिए 5.15 अंक की तेजी के साथ 25,428.75 अंक के स्तर तक पहुंचा। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक एक बार फिर लाल निशान में पहुंच गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 12 के बाद निफ्टी 137.30 की कमजोरी के साथ 25,286.30 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया।

फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने से हमास अलग-थलग पड़ जाएगा: मैक्रों

एजेंसी

पेरिस। फ़्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ज़ोर देकर कहा है कि फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने से चरमपंथी संगठन हमास अलग-थलग पड़ जाएगा। हालांकि उन्होंने गाज़ा पर इज़राइली हमलों की निंदा की बात दोहराई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मैक्रों ने गुरुवार को यहां एक इज़राइली टेलीविज़न चैनल के साथ साक्षात्कार में यह बात कही। मैक्रों ने कहा, फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता देना इस चरमपंथी समूह को कमज़ोर करने का सबसे अच्छा तरीका है। एक फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता देना बस हमें यही कहने का निर्णय लेना है। फ़िलिस्तीनी लोगों के वैध दृष्टिकोण और आज वे जो कुछ भी झेल रहे हैं उसका हमास से कोई लेना-देना नहीं है। गौरतलब है कि फ्रांस और ब्रिटेन उन कई पश्चिमी देशों में शामिल हैं जिन्होंने इस महीने संयुक्त राष्ट्र महासभा में औपचारिक रूप से एक फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने की प्रतिबद्धता जताई है। इन देशो की योजना का उद्देश्य हमास को दरकिनार करना और दशकों से चल रहे अरब-इज़राइली संघर्ष के लिए दो-राज्य समाधान की अनुमति देना है। हालांकि यह एक ऐसा प्रस्ताव है जिसका इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू विरोध कर रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र में बलोचिस्तान की बड़ी कूटनीतिक जीत

न्यूयार्क। बलोचिस्तान गणराज्य ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बलोच आंदोलन को धार्मिक अतिवाद से जोड़ने के चीन और पाकिस्तान के प्रयास को विफल करने के लिए फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन को धन्यवाद दिया है। बलोचिस्तान के प्रमुख राजनीतिक संगठन फ्री बलोच मूवमेंट के प्रमुख कार्यकतार्ता मीर यार बलोच के शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि छह करोड़ धर्मनिरपेक्ष, देशभक्त बलोच लोग संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान और चीन के संयुक्त प्रयास को रोकने के लिए अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन की सरकारों को धन्यवाद देते हैं। इस प्रयास के तहत बलोच स्वतंत्रता आंदोलन को धार्मिक अतिवाद से जोड़ने की कोशिश की गई थी। उन्होंने लिखा कि संयुक्त राष्ट्र के इन तीन प्रभावशाली सदस्यों द्वारा बलोच आंदोलन की धर्मनिरपेक्ष प्रकृति को मान्यता देना, बलोचिस्तान में लाखों लोगों के बलिदान की स्वीकृति और क्षेत्र के स्वतंत्रता समर्थक नेतृत्व के लिए एक कूटनीतिक जीत है जबकि चीन और पाकिस्तान के लिए यह एक बड़ा झटका और कूटनीतिक शर्मिंदगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कम्युनिस्ट चीन और धार्मिक उग्रवाद एव आतंकवादियों के संरक्षक पाकिस्तान ने जानबूझकर बलोचिस्तान के वास्तविक, प्रगतिशील स्वतंत्रता आंदोलन को धार्मिक रंग देने की कोशिश की है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में बलूच स्वतंत्रता सेनानियों को अल-कायदा और आईएसआईएस से जोड़ने का प्रयास किया। उनके इस प्रयास की पूरी दुनिया को निंदा करनी चाहिए।

अफगानिस्तान के विश्वविद्यालयों में महिलाओं की लिखी किताबों पर प्रतिबंध

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार ने इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाने के बाद अब देश के विश्वविद्यालयों से महिलाओं की लिखी पुस्तकों को भी हटा दिया है। साथ ही नए प्रतिबंधों के तहत मानवाधिकार और यौन उत्पीड़न के खिलाफ शिक्षण को गैरकानूनी घोषित कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विश्वविद्यालयों को यह भी बताया गया कि उन्हें अब 18 विषयों को पढ़ाने की अनुमति नहीं है। एक तालिबान अधिकारी ने कहा कि ये विषय शरिया के सिद्धांतों और व्यवस्था की नीति के विपरीत हैं। अधिकारी के मुताबिक सरकार ने सेफ्टी इन द केमिकल लैबोरेटरी शीर्षक वाली पुस्तक समेत महिलाओं द्वारा लिखी गई लगभग 140 पुस्तकों पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस प्रकार सरकार ने कुल 680 पुस्तकों को यह कहते हुए प्रतिबंधित कर दिया है कि ये शरिया विरोधी और तालिबान नीतियों के कारण चिंताजनक दिखाई पड़ती हैं।गौरतलब है कि इसी सप्ताह तालिबान के सर्वोच्च नेता के आदेश पर कम से कम 10 प्रांतों में फाइबर-ऑप्टिक इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। अधिकारियों ने कहा कि यह कदम अनैतिकता को रोकने के लिए उठाया गया था।

नेपाल में निर्वाचित राष्ट्रपति प्रणाली रोक सकती थी हाल ही में हुआ जेन जी आंदोलन : प्रचंड

काठमांडू। माओवादी पार्टी के अध्यक्ष पुष्प कमल दाहाल प्रचंड ने कहा है कि अगर देश में निर्वाचित राष्ट्रपति प्रणाली होती, तो हाल ही में हुए जेन जी आंदोलन को रोका जा सकता था। संविधान दिवस पर पार्टी हेडक्वार्टर में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रचंड ने याद किया कि वर्तमान स्थिति इसलिए उत्पन्न हुई, क्योंकि 2015 में संविधान का मसौदा तैयार किए जाने पर प्रत्यक्ष निर्वाचित कार्यपालिका की व्यवस्था नहीं की जा सकी थी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक स्थिरता के लिए प्रत्यक्ष निर्वाचित राष्ट्रपति की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि संविधान जारी करते समय इस विषय पर कोई आम सहमति नहीं बन पाना दुर्भाग्य था। प्रचण्ड ने दावा किया कि अगर उस समय प्रत्यक्ष निर्वाचित शासन प्रणाली पर समझौता होता, तो जेन जी आंदोलन नहीं होता। उन्होंने कहा कि इस तरह के बड़े पैमाने पर नुकसान से बचा जा सकता था। जेन जी आंदोलन के बाद ध्वस्त हो चुके अपने पार्टी हेडक्वार्टर में प्रचंड ने अपने समर्थको और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यह भी दावा किया कि उनकी सक्रियता के कारण ही संविधान को बचाया जा सका है।

विश्व शांति के लिए मैंने सात युद्ध रोके, इतना किसी ने नहीं किया : ट्रंप

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनका मुख्य लक्ष्य 'विश्व शांति' को बढ़ावा देना है। ट्रंप ने कहा कि विश्व शांति के लिए उनसे बेहतर काम किसी ने नहीं किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पिछले आठ महीने के कार्यकाल में सात युद्ध सुलझाने का दावा किया है।

'द व्हाइट हाउस' से जारी एक वीडियो के हवाले से बताया गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि हम रूस-यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने के लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और मैंने इस बारे में बात की है और मुझे विश्वास है कि वह भी इसे पूरा होते देखना चाहेंगे। मुझे लगता है कि वह हमारी मदद करने के लिए हमारे साथ काम करेंगे। ट्रंप ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपने संबंधों के बावजूद यूक्रेन में संघर्ष को रोकना 'सबसे कठिन' था। पिछले कुछ महीनों में हमने जो किया, वह किसी ने नहीं किया। हमने सात युद्ध रोके। हालांकि ट्रंप ने यह भी कहा कि रूस और यूक्रेन युद्ध के बारे में उन्हें लगा था कि वह शायद सबसे

आसान होगा, लेकिन वह सबसे कठिन साबित हुआ। संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्च स्तरीय बैठक 22 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र स्थापना की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में शुरू होगी। बैठक के एजेंडे के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'विश्व शांति'। ट्रंप ने कहा, 'विश्व शांति के लिए मैंने सात युद्ध रोके।' उन्होंने इसका श्रेय अपनी नीतियों को दिया और कहा कि इनमें ईरान के तीन परमाणु प्रतिष्ठानों पर हवाई हमले शामिल नहीं हैं, जिन्हें अमेरिका ने पूरी तरह से नष्ट कर दिया था। ट्रंप ने इन हमलों के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि उन्होंने कुछ और बम मंगवाए थे, जिसमें बी-2 बमवर्षक से दागे गए बम भी शामिल थे। उनका कहना है कि हर एक बम अपने लक्ष्य पर लगा। इसके अलावा, उन्होंने एक पनडुब्बी से 30 बम दागने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि, हालांकि मैं इन सब चीजों को शामिल नहीं कर रहा हूं, लेकिन इससे शायद एक भयावह युद्ध टल गया था। उन्होंने अपनी कूटनीतिक उपलब्धियों और रूस-यूक्रेन के बीच समझौते के लिए जारी अपने प्रयासों के बारे में भी बताया।उन्होंने कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने युद्ध समाप्त करने के प्रयासों का समर्थन किया है। हम रूस-यूक्रेन विवाद को सुलझाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग ने टेलीफोन पर बात की थी। दोनों नेताओं के बीच व्यापार, रूस-यूक्रेन संघर्ष और टिकटॉक सौदे की मंजूरी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी बताया कि दोनों नेता अगले महीने दक्षिण कोरिया में होने वाले एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दौरान मिलने पर सहमत हुए हैं। यह सम्मेलन 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को होगा।

बगराम एयरबेस दोबारा अमेरिका को नहीं देंगे : तालिबान

एजेंसी

काबुल। अफ़ग़ानिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान को एक सिरे से ठुकरा दिया है, जिसमें उन्होंने सेना के जरिए काबुल के नजदीक स्थित बगराम एयरबेस पर दोबारा कब्ज़ा करने की मंशा जताई थी। तालिबानी विदेश मंत्रालय के अधिकारी ज़ाकिर जलाल ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि उनका देश बातचीत के लिए तैयार है लेकिन अमेरिका को इस देश में अपनी सैन्य उपस्थिति फिर से स्थापित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। गौरतलब है कि ट्रंप ने गुरुवार को ब्रिटेन की यात्रा के दौरान कहा था कि उनका प्रशासन तालिबान से बगराम स्थित एयर बेस को वापस लेने के लिए दबाव बना रहा है क्योंकि यह चीन के परमाणु हथियारों के निर्माणस्थल से केवल एक घंटे की दूरी पर स्थित है। ट्रंप ने घोषणा की हम इसे वापस लेने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने शिकायत भरे लहजे में कहा, हमने इसे [तालिबान] को बिना किसी कीमत के दे दिया। उन्होंने कहा हमअफगानिस्तानछोड़नेवालेथेलेकिनताकतऔरगरिमाकेसाथ। हम बगराम को रखने वाले थे लेकिन पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इसे बिना किसी शर्त के तालिबान को सौंप दिया हालांकि तालिबान अधिकारियों ने उनकी इस मंशा को एक सिरे से खारिज कर दिया है। जलाल ने कहा, अफ़ग़ानिस्तान और अमेरिका को एक-दूसरे के साथ बातचीत करने की ज़रूरत है, लेकिन यह अमेरिका द्वारा अफ़ग़ानिस्तान के किसी भी हिस्से में अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखने के बगैर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान आपसी सम्मान और साझा हितों के आधार पर अमेरिका के साथ राजनीतिक और आर्थिक संबंध बनाने के लिए तैयार है।

पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में भारतीय विमानों के लिए 23 अक्टूबर तक प्रतिबंध

एजेंसी

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र सभी भारतीय स्वामित्व वाली या भारतीय संचालित एयरलाइंस के लिए 23 अक्टूबर तक प्रतिबंधित रहेगा। पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण के जारी नए नोटम (नोटिस टू एयरमैन) के अनुसार, यह प्रतिबंध भारतीय वाणिज्यिक एयरलाइंस, भारत में पंजीकृत विमानों और सैन्य उड़ानों को पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकता है। द न्यूज अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद दक्षिण एशिया के दो परमाणु संपन्न देशों के बीच तनाव अब भी बरकरार है। पहलगाम हमले के बाद भारत के जवाबी उपाय से पाकिस्तान पानी की दुहाई दे रहा है। भारत के सिंधु जल संधि के निलंबित करने व अन्य जवाबी उपायों को पाकिस्तान दुनिया के सामने उठा चुका है। पाकिस्तान ने पहलगाम हमले के बाद बढ़े द्विपक्षीय तनाव के बीच नई दिल्ली के महत्वपूर्ण सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बाद जैसे को तैसा कदम उठाते हुए भारतीय एयरलाइंस के लिए अपना

हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। पाकिस्तान के इस फैसले के बाद भारत ने भी 30 अप्रैल को पाकिस्तानी एयरलाइंस के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। बाद में पाकिस्तान ने शुरुआती प्रतिबंध को 23 मई को एक और महीने के लिए बढ़ाया। अब इसे अक्टूबर तक बढ़ा दिया गया है। पाकिस्तान का आरोप है कि भारत ने 6-7 मई को बिना किसी उकसावे के मुल्क के शहरों पर हमले किए। पाकिस्तान का दावा है कि इस पर उसने ऑपरेशन बनयान-उम-मार्सूस शुरू कर भारत को नुकसान पहुंचाया। नई दिल्ली ने दावा किया था कि ये हमले आतंकवादी ठिकानों पर लक्षित थे।

अमेरिका का एच1-बी वीजा हासिल करना हुआ महंगा, देने होंगे एक लाख डॉलर

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के एच1-बी वीजा के लिए आवेदन करने के लिए अब शुल्क बढ़ गया है। अब इसके लिए 100,000 (एक लाख) अमेरिकी डॉलर देने होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने देररात इस संबंध में कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। इस कदम का अमेरिका में वर्क वीजा पर काम कर रहे भारतीय कर्मचारियों पर गहरा असर पड़ सकता है।

सीबीएस न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, कार्यकारी आदेश में नया वीजा आवेदन शुल्क जोड़ा गया है। इसके अनुसार एच-1बी कर्मचारियों को 100,000 डॉलर का भुगतान किए बिना अमेरिका में प्रवेश नहीं मिलेगा।ट्रंप ने कहा, हम अपने देश में ऐसे लोगों को रख पाएंगे जो बहुत उत्पादक होंगे, और कई मामलों में ये कंपनियां इसके लिए अधिक धन देंगी। वे इससे बहुत खुश हैं। इस अतिरिक्त शुल्क का असर अमेजन, आईबीएम, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनियों सहित नियोक्ताओं पर पड़ेगा। यह कंपनियां विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए इस वीजा पर निर्भर हैं। इससे पहले एच-1बी वीजा के लिए लगभग 1,700 डॉलर से लेकर 4,500 डॉलर देने होते थे। आमतौर पर, इस शुल्क को नियोक्ता के लिए व्यावसायिक व्यय माना जाता है। यह नया शुल्क एच-1बी वीजा पर चल रही बहस के बीच आया है, जिसके बारे में कुछ आलोचकों का कहना है कि यह कंपनियों को अमेरिकी कर्मचारियों की तुलना में कम वेतन पर विदेशी आवेदकों को नियुक्त करने में सक्षम बनाता है। आलोचकों का कहना है कि कुछ नियोक्ता उच्च कौशल आवश्यकताओं वाले वरिष्ठ पदों के बजाय प्रवेश स्तर की भूमिकाओं के लिए भी एच-1बी वीजा प्रदान करते हैं। तकनीकी कंपनियां इस वीजा कार्यक्रम की प्रमुख लाभार्थी रही हैं। श्रम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में किसी भी कंपनी की तुलना में अमेजन को सबसे अधिक एच1बी वीजा प्राप्त हुए। इस वर्ष, यह ऑनलाइन रिटेलर 10,000 से अधिक वीजा प्राप्त करने वालों में अग्रणी बना हुआ है। इसके बाद टाटा कंसल्टेंसी, माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल और गूगल का स्थान आता है। व्हाइट हाउस के एक सहयोगी ने कहा, इससे यह सुनिश्चित होगा कि वे जिन लोगों को ला रहे हैं, वे वास्तव में अत्यधिक कुशल हैं और अमेरिकी कर्मचारियों द्वारा उनकी जगह नहीं ली जा सकती। इसलिए यह अमेरिकी कर्मचारियों की रक्षा करेगा, लेकिन यह भी सुनिश्चित करेगा कि कंपनियों के पास वास्तव में असाधारण लोगों को नियुक्त करने और उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका लाने का एक रास्ता हो। नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी के कार्यकारी निदेशक स्टुअर्ट एंडरसन ने कहा कि यदि यह योजना अमेरिकी कंपनियों को विदेशों में नौकरियां स्थानांतरित करने के लिए प्रोत्साहित करती है, विशेष रूप से अनुसंधान और विकास जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में, तो यह योजना उलटी पड़ सकती है।

इस्लामाबाद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डोगर के खिलाफ पांच जजों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की

एजेंसी

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के पांच जज अभूतपूर्व कदम उठाते हुए व्यक्तिगत रूप से उच्चतम न्यायालय पहुंचे। सभी ने अलग-अलग संवैधानिक याचिका दायर की। पांचों ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सरदार मोहम्मद सरफराज डोगर के कई प्रशासनिक कदमों को चुनौती दी है। याचिका दायर करने वाले न्यायाधीशों में मोहसिन अख्तर कयानी, बाबर सत्तार, तारिक महमूद जहांगीरी, सरदार एजाज इशाक खान और समन रफत इम्तियाज शामिल हैं। इन्होंने 11 मांग की हैं। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह याचिकाएं संविधान के अनुच्छेद 184(3) के तहत दायर की गई हैं। न्यायमूर्ति जहांगीरी को न्यायिक कार्य से रोकने वाले उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द करने की मांग प्रमुख है। 16 सितंबर को मुख्य न्यायाधीश डोगर और न्यायमूर्ति

मोहम्मद आजम खान की खंडपीठ ने न्यायमूर्ति जहांगीरी पर संदिग्ध एलएलबी डिग्री रखने का आरोप लगाते हुए एक क्वो वारंटो याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोक दिया था। साथ ही खंडपीठ ने पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल (एजीपी) मंसूर अवान से भी इस प्रश्न पर सहायता मांगी कि क्या याचिका विचारणीय है। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता बैरिस्टर जफरुल्लाह खान और अश्तर अली औसाफ को न्यायमित्र भी नियुक्त किया। पीठ ने कहा कि जब तक सर्वोच्च न्यायिक परिषद और न्यायाधीशों का जवाबदेही मंच इस मामले का फैसला नहीं कर लेता, तब तक न्यायाधीश जहांगीरी मामलों को नहीं देख सकते।इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि किसी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को केवल संविधान के अनुच्छेद 209 के तहत ही न्यायिक कर्तव्यों के निर्वहन से रोका जा सकता है। उन्होंने तर्क दिया कि किसी न्यायाधीश को पद से हटाने की मांग करने वाली क्वो-वारंटो याचिका संविधान के अनुच्छेद 199(1) के साथ अनुच्छेद 209(7) के अनुसार विचारणीय नहीं है। अपनी याचिका में न्यायमूर्ति जहांगीरी ने 16 सितंबर के आदेश को अनुच्छेद 10-ए के तहत अपने मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताया। सूत्रों ने बताया कि न्यायाधीश की याचिका को डायरी संख्या 23409 दी गई है और वह उच्चतम न्यायालय में स्वयं अपना पक्ष रख सकते हैं।

जेन जी प्रदर्शन की आड़ में भागे 13 हजार कैदियों में 8 हजार से अधिक कैदी अभी भी फरार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में 8 और 9 सितंबर को हुए जेन जी प्रदर्शन की आड़ में जेल से भागे 13 हजार से अधिक कैदियों में से अभी भी 8 हजार से अधिक कैदी फरार हैं। जेल प्रबंधन विभाग के अनुसार, 8 और 9 सितंबर को जेन जी प्रदर्शन की आड़ में जेल ब्रेक की बड़ी घटना हुई थी। नेपाल के 27 जेल के कैदी जेल तोड़कर फरार हो जाने की जानकारी दी गई है। जेल प्रशासन के मुताबिक 27 जेलों और 9 बाल सुधार गृहों से कुल 13,591 कैदी के फरार हो गए थे। जेल प्रशासन ने बयान जारी कर बताया है कि इनमें से अभी भी 8,816 कैदी फरार हैं। जेल प्रशासन विभाग के महानिदेशक चोमेन्द्र न्यौपाने ने कहा कि कुल 29,212 कैदियों में से 13,591 कैदी भागने में कामयाब रहे। इसी तरह, बाल सुधार गृह में रहे 1,422 में से 964 विचाराधीन बाल कैदी भाग गए हैं।

सामूहिक जेलब्रेक से प्रभावित जेलों में झुमका, सोलुखुम्बू, सप्तरी, महोत्तरी, रौतहट, सिंधुली, नक्खु, जगन्नाथदेवल, डिल्ली बाजार, रसुवा, चितवन, तनहुँ, कास्की, पर्वत, कपिलवस्तु, तुलसीपुर, नौबस्ती, रुकुम पूर्व, जुमला, बझांग, कैलाली, दार्चुला, बैतडी, डडेलधुरा और कंचनपुर जेल शामिल हैं।

इसी तरह मोरंग, पर्सा, भक्तपुर, मकवानपुर, कास्की, रूपंदेही, जयाडौं, नौबस्ता और डोटी में रहे बाल सुधार गृहों से भी विचाराधीन बाल कैदियों के भागने की सूचना मिली। न्यौपाने ने कहा कि अब तक 5,495 कैदी और 244 बाल कैदी वापस आ चुके हैं या उन्हें फिर से पकड़ लिया गया है। जेल विभाग के बयान में कहा गया कि शेष 8,816 भगोड़ों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

अहमदाबाद विमान हादसे में जान गंवाने वाले चार लोगों के परिवारों ने अमेरिका में हनीवेल इंटरनेशनल कंपनी पर मुकदमा दायर किया

एजेंसी

वाशिंगटन (अमेरिका)। भारत के गुजरात के अहमदाबाद में इस साल हुए एयर इंडिया विमान (बोइंग 787) हादसे में जान गंवाने वाले चार लोगों के परिवारों ने अमेरिका में विमान निर्माता और आपूर्तिकर्ता हनीवेल इंटरनेशनल कंपनी पर मुकदमा दायर किया है। यह हादसा 12 जून को हुआ था। एयर इंडिया के अनुसार विमान में सवार 242 यात्रियों में से 241 की मौत हो गई थी, जबकि एक ब्रिटिश नागरिक बच गया।मूममु

ंगदो स्विच दुर्घटना की जांच के केंद्र में रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि 12 जून को हुई इस घातक विमान दुर्घटना के बाद से यह संयुक्त राज्य अमेरिका में दायर किया गया पहला मुकदमा है। एयर इंडिया 787 से जुड़ी इस दुर्घटना की अभी भी जांच चल रही है, लेकिन भारत के नागरिक

उड्डयन प्राधिकरण की एक प्रारंभिक रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि इंजन को ईंधन की आपूर्ति करने वाले महत्वपूर्ण स्विच उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद रन स्थिति से कटऑफ स्थिति में आ गए थे। कुछ ही क्षण बाद स्विच को वापस चालू कर दिया गया, लेकिन इंजन फिर से चालू नहीं हो पाए और विमान पास के एक मेडिकल हॉस्टल से टकरा गया, जिससे विमान में सवार 242 लोगों में से 241 और जमीन पर 19 लोगों की मौत हो गई। यह स्पष्ट नहीं है कि इंजन के ईंधन स्विच कैसे और क्यों हिले। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर से मिले डेटा से पता चला कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि उसने स्विच क्यों हिलाए, जिससे इंजनों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। दूसरे पायलट ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया। भारत के विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो और जांच में सहायता कर रहे अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने जांच के दौरान अटकलों के प्रति आगाह किया है। पायलट यूनियनों ने भी विमान उड़ाने वालों को दोष देने के प्रति आगाह किया है।

जेन जी प्रदर्शन का असर : यूएई ने नेपाली क्रिकेट टीम का वीजा रोका, नेपाली नागरिकों के सभी वीजा निलंबित

एजेंसी

काठमांडू। 27 सितंबर से शारजाह में वेस्टइंडीज के साथ खेले जाने वाले यूनिटी कप के मैच में सहभागी होने के लिए नेपाली राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को संयुक्त अरब अमीरात (यू ए ई) ने वीजा देने से इनकार कर दिया है। रवाना होने वाली टीम यूएई दूतावास की तरफ से वीजा नहीं दिए जाने के कारण यात्रा नहीं कर सकी। ये देरी संयुक्त अरब अमीरात द्वारा नेपाली नागरिकों के लिए यात्रा वीजा के हालिया अस्थायी निलंबन के कारण हुआ है। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल (सी. ए. एन.) ने इसके लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समिति (आईसीसी) के समक्ष गुहार लगायी है। सी. ए. एन. के अधिकारियों ने कहा कि वे संबंधित अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क में हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि वीजा जल्द ही जारी किए जाएंगे, संभवतः अगले एक या दो दिनों के भीतर। जैसे ही वीजा प्रक्रिया पूरी हो

जाएगी, टीम संयुक्त अरब अमीरात के लिए रवाना होगी। नेपाल में हुए जेन जी प्रदर्शन के बाद से ही यू ए ई ने नेपाली नागरिकों को दी जाने वाली सभी प्रकार के वीजा को तत्काल के लिए निलंबित कर दिया है। यूएई के फैसले ने राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की वेस्टइंडीज के साथ द्विपक्षीय मुकाबले पर संशय का बादल छा गया है। नेपाल क्रिकेट संघ (सी. ए. एन.) स्थिति को हल करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। संघ के सचिव पारस खड़का ने बताया कि वो यू ए ई के दूतावास से लगातार संपर्क में हैं और उन्हें खिलाड़ियों को वीजा देने के लिए कूटनीतिक तरीके से डबल बना रहे हैं। खड़का ने बताया कि आईसीसी से भी इस मामले में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया गया है।

नेपाल आने वाले भारतीय नागरिकों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू में भारतीय दूतावास ने नेपाल आने वाले भारतीय नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अपनी यात्रा के दौरान सावधानी बरतें। भारतीय दूतावास की तरफ से जारी ट्रैवल एडवाइजरी में दूतावास ने कहा है कि नेपाल में स्थिति में काफी सुधार हुआ है, लेकिन भारतीय नागरिकों को नेपाल आने पर पूरी सतर्कता बरतने की सलाह दी जाती है। दूतावास के अनुसार, सड़क परिवहन और हवाई सेवा दोनों ने नियमित संचालन फिर से शुरू कर दिया है, लेकिन फिर भी यात्रा करने वाले भारतीय नागरिकों से काठमांडू में भारतीय दूतावास, बीरगंज स्थित महावाणिज्य दूतावास सहित पोखरा और धरान में रहे भारतीय सेना के कैंप दफ्तर द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अपडेट और सलाह का पालन करने का अनुरोध किया गया है। दूतावास ने यह भी सूचित किया कि वर्तमान में नेपाल में भारतीय नागरिक आवश्यकता पड़ने पर मिशन द्वारा प्रदान किए गए संपर्क चैनलों के माध्यम से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए दूतावास ने दो नंबर जारी किए हैं जिस पर वाट्स एप के जरिए भी संपर्क किया जा सकता है।

अमेरिकी दबाव में यूरोपीय संघ ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों का प्रस्ताव रखा

एजेंसी

ब्रुसेल्स । यूरोपीय आयोग ने रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का अपना 19वां पैकेज यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य देशों के अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया है। यह पैकेज, अमेरिका की दखलअंदाजी और उसके बढ़ते दबाव के कारण एक सप्ताह की देरी के बाद पेश किया गया है।

यूरोपीय आयोग की मुख्य प्रवक्ता पाउला पिन्हो ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को ब्रुसेल्स में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम पुष्टि करते हैं कि आयोग ने रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के एक नए पैकेज यानी 19वें पैकेज का प्रस्ताव रखा है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर बातचीत के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की कि नया पैकेज रूसी बैंकों, क्रिप्टो परिसंपत्तियों और ऊर्जा आयात÷ को टारगेट करेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूरोप की लगभग 19 प्रतिशत गैस आपूर्ति अभी भी तुर्कस्ट्रीम पाइपलाइन और लिक्विफाइड नेचुरल (एलएनजी) शिपमेंट के माध्यम से रूस से आ रही है, इसलिए यूरोपीय संघ नए प्रतिबंधों के हिस्से के रूप में रूसी एलएनजी पर प्रतिबंध लगाने में तेजी लाने पर भी विचार कर रहा है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सप्ताहांत में, ट्रंप ने यूरोपीय सहयोगियों से रूसी तेल की शेष खरीद को रोकने का आह्वान किया है, और यह भी सुझाव दिया है कि समूह सात और नाटो के सदस्य रूस के ऊर्जा निर्यात को सुविधाजनक बनाने वाले देशों पर शुल्क लगाएं। उनका दावा है कि रूस की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के लिए ऐसे कदम आवश्यक हैं। उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने अपनी एक्स पोस्ट में कहा, आयोग रूसी जीवाश्म ईंधन आयात को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का भी प्रस्ताव रखेगा। रूसी जीवाश्म ईंधनों को चरणबद्ध तरीके से 1 जनवरी, 2028 तक समाप्त करने की योजना है। नए यूरोपीय संघ प्रतिबंध पैकेज को मूल रूप से पिछले सदस्य देशों के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की उम्मीद थी। हालांकि, यूरोपीय संघ की एक उच्च-स्तरीय टीम की वाशिंगटन यात्रा और समन्वय के प्रयासों के कारण इसमें एक सप्ताह की देरी हो गई। यूरोपीय संघ के अधिकारियों ने कहा कि ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव या आपूर्ति की कमी से बचने के लिए प्रतिबंधों को सावधानीपूर्वक चरणबद्ध तरीके से अमल में लाया जाएगा। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष क्रिस्टोफ ह्यूसगेन ने यूरोपीय संघ से हंगरी और स्लोवाकिया पर रूसी ऊर्जा पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए दबाव बढ़ाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि हंगरी अभी भी अपना लगभग 60 प्रतिशत तेल रूस से आयात करता है, जबकि स्लोवाकिया अपनी लगभग 75 प्रतिशत ऊर्जा जरूरतों के लिए रूस पर निर्भर है। यूक्रेन ने 19वें प्रतिबंध पैकेज को शीघ्र अपनाने का आग्रह किया है। यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने इस हफ्ते की शुरुआत में एक्स पोस्ट में कहा था कि रूस को संघर्ष के लिए संसाधनों से वंचित करने के लिए ÷अटलांटिक के पार समन्वित कदम÷ जरूरी हैं। उन्होंने कहा, अब ध्यान 19वें पैकेज को और भी सख्त बनाने पर होना चाहिए। इस बीच, रूस ने लंबित प्रतिबंधों के असर को कम करके आंका है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि वाशिंगटन और ब्रुसेल्स की ओर से नियमित रूप से दी जा रही धमकियों का कोई असर नहीं होगा और इससे कुछ भी नहीं बदलेगा।उन्होंने रूसी ऊर्जा को छोड़ने के यूरोपीय संघ के प्रयास की भी आलोचना की, इसे आत्मघाती बताते हुए चेतावनी दी कि ब्रुसेल्स खुद को थका रहा है।

प्याज की उन्नत किस्में, विशेषताएं और पैदावार

Bhupender Choudhary

प्याज फसल से अधिकतम उपज के लिए उचित पोषक तत्व, समय पर बुआई, पौध संरक्षण के साथ प्याज की उन्नत किस्मों का चयन भी आवश्यक है । प्याज की कम पैदावार होना किसानों द्वारा स्थानीय किस्मों को महत्व देना हो सकता है। जबकि किसान भाइयों को अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए प्याज की उन्नत और अपने क्षेत्र की प्रचलित किस्म का चयन करना चाहिए। इसके लिए किसानों को प्याज की उन्नत किस्मों के प्रति जागरूक होना चाहिए। इस लेख में प्याज की उन्नत किस्मों की विशेषताएं और पैदावार की जानकारी का उल्लेख है।

⏩ उन्नत किस्में

प्याज की स्थानीय और उन्नत दोनों प्रकार की प्रमुख किस्में इस प्रकार है, जिनको रंग तथा चरपराहट के आधार पर तीन भागों में बाटा जाता है, जैसे-

⏩लाल रंग कि किस्में-

भीमा लाल, भीमा गहरा लाल, भीमा सुपर, हिसार- 2, पंजाब लाल गोल, पंजाब चयन, पटना लाल, नासिक लाल, लाल ग्लोब, बेलारी लाल, पूना लाल, पूसा लाल, पूसा रतनार, अर्का निकेतन, अर्का प्रगति, अर्का लाइम, कल्याणपुर लाल और एल- 2-4-1 इत्यादि प्रमुख है।

⏩पीले रंग वाली किस्में-

आई आई एच आर पिली, अर्का पीताम्बर, अर्ली ग्रेनो और येलो ग्लोब इत्यादि प्रमुख है।

⏩सफेद रंग वाली किस्में-

भीमा शुभ्रा, भीमा श्वेता, प्याज चयन-131, उदयपुर 102, प्याज चयन-106, नासिक सफ़ेद, सफ़ेद ग्लोब, पूसा व्हाईट राउंड, पूसा व्हाईट फ़्लैट, एन- 247-9 -1 और पूसा राउंड फ़्लैट इत्यादि प्रमुख है।

⏩विशेषताएं और पैदावार

• भीमा सुपर-

यह प्याज की उन्नत किस्म छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान तथा तमिलनाडु में खरीफ मौसम में उगाने के लिए अनुमोदित की गयी है। इसे खरीफ में पछेती फसल के रूप में भी उगा सकते हैं। इसके खरीफ में 100 से 105 दिन और पछेती खरीफ में 110 से 120 दिन में कंद पककर तैयार हो जाते हैं। यह खरीफ में 220 से 250 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और पछेती खरीफ में 400 से 450 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक पैदावार देती है।

• भीमा गहरा लाल-

यह प्याज की उन्नत किस्म छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान तथा तमिलनाडु में खरीफ मौसम के लिए अनुमोदित की गयी है। इस प्याज की उन्नत किस्म के आकर्षक गहरे, लाल रंग के चपटे और गोलाकार कंद होते हैं। 95 से 100 दिन में कंद पककर तैयार हो जाते हैं। इससे 200 से 220 क्विंटल प्रति हेक्टेयर औसतन पैदावार प्राप्त होती है।

• भीमा लाल-

यह प्याज की उन्नत किस्म महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में रबी मौसम के लिए पहले से ही अनुमोदित अब इस किस्म को दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान तथा तमिलनाडु में खरीफ मौसम के लिए अनुमोदित किया गया है। यह फसल पछेती खरीफ मौसम में भी बोई जा सकती है। खरीफ में यह फसल 105 से 110 दिन और पछेती खरीफ और रबी मौसम में 110 से 120 दिन में यह पककर तैयार हो जाती है। खरीफ में औसतन पैदावार 190 से 210 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और पछेती खरीफ में 480 से 520 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तथा रबी मौसम में 300 से 320 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है। रबी में 3 महीने तक इसका भंडारण कर सकते हैं।

• भीमा श्वेता-

सफेद प्याज की उन्नत यह किस्म रबी मौसम के लिए पहले से ही अनुमोदित है तथा खरीफ मौसम में छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान तथा तमिलनाडु में उगाने के लिए इसे अनुमोदित किया जा चूका है। 110 से 120 दिन में फसल पककर तैयार हो जाती है। 3 माह तक इसका भंडारण कर सकते हैं। खरीफ में इसकी औसत पैदावार 180 से 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और रबी में 260 से 300 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

• भीमा शुभ्रा-

सफेद प्याज की उन्नत यह किस्म छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान तथा तमिलनाडु में खरीफ मौसम के लिए अनुमोदित की गयी है। महाराष्ट्र में पछेती खरीफ के लिए भी इसे अनुमोदित किया गया है। खरीफ में यह 110 से 115 दिन तथा पछेती खरीफ में 120 से 130 दिन में यह पककर तैयार हो जाती है। मध्यम भण्डारण क्षमता की यह किस्म मौसम के उतार-चढ़ाव के प्रति सहिष्णु है। खरीफ में 180 से 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और पछेती खरीफ में 360 से 420 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक इसकी उपैदावार प्राप्त की जा सकती है।

• हसार- 2

इस प्याज की उन्नत किस्म के कंद लाली लिए हुए, भूरे रंग के तथा गोल होते है। इसकी फसल रोपाई के लगभग 175 दिनों बाद खुदाई के लिए तैयार हो जाती है। इसके कंद कम तीखे होते है, यह प्रति हेक्टेयर 300 क्विंटल तक पैदावार दे देती है। इस प्याज की उन्नत किस्म की भण्डारण क्षमता भी अच्छी है।

• पूसा रेड-

इस के कंद मंझौले आकार के तथा लाल रंग के होते है, स्थानीय लाल किस्मों कि तुलना में यह प्याज की उन्नत किस्म कम तीखी होती है। इसमें फुल निकल आने कि समस्या कम होती है। रोपाई के 125 से 140 दिनों में तैयार होने वाली किस्म है, इसकी भण्डारण क्षमता बहुत अधिक होती है, प्रति हेक्टेयर 250 से 300 क्विंटल तक पैदावार दे देती है। कंद का भार 70 से 90 ग्राम का होता है, गंगा के पठारों, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु तथा महाराष्ट्र के लिए उपयुक्त किस्म है।

• पूसा रतनार-

इस किस्म के कंद बड़े थोड़े चपटे व गोल होते है, जो आकर्षक गहरे लाल रंग के होते है। पत्तियां मोमी चमक तथा गहरे रंग कि होती है। कंदों को 3 महीने तक सुरक्षित रखा जा सकता है, रोपाई के 125 दिनों बाद खुदाई के लिए तैयार हो जाती है। यह प्याज की उन्नत किस्म प्रति हेक्टेयर 400 से 500 क्विंटल तक पैदावार दे सकती है।

• एन- 53-

इस प्याज की उन्नत किस्म के कंद गोल, हलके लाल सुडौल, कम तीखे होते है। इसकी एक गांठ का औसत वजन 80 से 120 ग्राम तक होता है, खुदाई के समय इसकी गांठ हलके बैंगनी रंग कि होती है जो बाद में गहरे लाल रंग कि हो जाती है। इस किस्म को रबी तथा खरीफ दोनों मौसमों में उगाया जा सकता है, किन्तु उत्तरी भारत में खरीफ मौसम में उगाने के लिए उपयुक्त पाई गई है। यह फसल 150 से 165 दिनों में खुदाई हेतु तैयार हो जाती है। रबी में 200 से 250 तथा खरीफ में 150 से 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पैदावार मिल जाती है।

• अर्ली ग्रेनो-

इसके कंद गोल आकार के, पीले, हलकी गंध युक्त वाले तथा सलाद के लिए उपयुक्त होते है व रोपाई के 95 दिनों बाद पुरे आकार के हो जाते है और 115 से 120 दिनों में पक् जाते है, इस किस्म में फुल खिलने कि समस्या कम है। परन्तु इस प्याज की उन्नत किस्म कि भण्डारण क्षमता कम है। यह प्रति हेक्टेयर 500 क्विंटल तक पैदावार दे सकती है।

• पूसा व्हाईट फ़्लैट-

इस प्याज की उन्नत किस्म के कंद मध्यम से बड़े आकार के चपटे, गोल तथा आकर्षक सफ़ेद रंग के होते है। रोपाई के 125 से 130 दिन बाद में तैयार होने वाली किस्म है। इसकी भण्डारण क्षमता अच्छी है, यह प्रति हेक्टेयर 325 से 350 क्विंटल तक पैदावार देती है।

• पूसा व्हाईट राउंड-

इस प्याज की उन्नत किस्म के कंद मध्यम से बड़े आकार के चपटे, गोल, और आकर्षक सफ़ेद रंग के होते है। इस किस्म का सुखाकर रखने कि दृष्टि से विकास किया गया है। यह रोपाई के 125 से 130 दिनों बाद तैयार होती है। इसकी भण्डारण क्षमता अच्छी है यह प्रति हेक्टेयर 300 से 350 क्विंटल तक पैदावार दे देती है।

• उदयपुर- 102-

इस प्याज की उन्नत किस्म के कंद गोल और सफ़ेद रंग के होते है, कंद मध्यम आकार के खाने में कम चरपरे व मिठास लिए होते है। इसकी पैदावार 200 से 250 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

• वी एल- 76-

यह एक संकर किस्म है, इस किस्म के कंद बड़े तथा लाल रंग के होते है। यह तराई क्षेत्रों के लिए उपयुक्त किस्म है। रोपाई के बाद 175 से 180 दिनों में कंद खुदाई के लिए तैयार हो जाते है। यह प्रति हेक्टेयर 350 से 400 क्विंटल तक पैदावार देती है।

• ब्राउन स्पेनिश-

इसके शल्क कंद गोल लम्बे तथा लाल भूरे रंग के होते है, इसमें हलकी गंध आती है। यह किस्म सलाद के लिए उपयुक्त होती है। इसके कंद 165 से 170 दिनों में खुदाई के लिए तैयार हो जाते है। यह किस्म पर्वतीय क्षेत्रों में उगाने के लिए अत्यंत उपयुक्त सिद्ध हुई है। सुखाकर रखने कि दृष्टि से यह दुसरे किस्मों कि अपेक्षा बहुत अच्छी है।

• अर्का निकेतन-

इस प्याज की उन्नत किस्म को खरीफ व रबी दोनों मौसमों में उगाया जा सकता है। इसकी फसल 145 दिन में तैयार हो जाती है। इसके कंद का वजन 100 से 180 ग्राम का होता है। इसके कंदों को 3 महीने तक भंडारित किया जा सकता है, यह मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक तथा तमिलनाडू में उगाने के लिए उपयुक्त किस्म है। यह प्रति हेक्टेयर 325 से 350 क्विंटल तक पैदावार दे देती है।

• अर्का कल्याण

इस प्याज की उन्नत किस्म के कंद गहरे गुलाबी रंग के होते है। जिनका औसतन वजन 100 से 190 ग्राम होता है। यह किस्म उत्तरी भारत के मैदानों, मध्य प्रदेश, बिहार, उड़ीसा, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक तथा तमिलनाडु में उगाने के लिए उपयुक्त है।

• अर्का प्रगति

यह दक्षिण भारत में रबी तथा खरीफ दोनों मौसमों में उगाने के लिए उपयुक्त किस्म है। इसके कंद गुलाबी रंग के होते है। यह 140 से 145 दिन बाद 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पैदावार देती है।

• एग्री फाउंड डार्क रेड

इस किस्म के कंद गुलाबी रंग होते है। फसल रोपाई के 150 से 160 दिन बाद 300 से 400 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक पैदावार देती है। यह खरीफ के लिए उपयुक्त किस्म है। उत्तरी भारत के मैदानी क्षेत्रों के लिए अच्छी सिद्ध हुई है।

• एग्री फाउंड लाईट रेड

यह प्याज की उन्नत किस्म प्याज उगाने वाले सभी क्षेत्रों के लिए अच्छी सिद्ध हुई है। परन्तु महाराष्ट्र में नासिक या उसके आसपास के क्षेत्रों में विशेष रूप से सफल है । कंद हलके लाल रंग के होते है। यह 160 दिन में 300 से 325 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पैदावार दे देती है।

• कल्याणपुर रैड राउंड

यह प्याज की उन्नत किस्म उत्तर प्रदेश के लिए अच्छी किस्म है। यह 130 से 150 दिन में 250 से 300 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पैदावार दे देती है।

• लाइन- 102

इसके कंद मध्यम से बड़े आकार के तथा लाल रंग के होते है। यह किस्म 130 से 135 दिन बाद 300 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पैदावार दे देती है। यह उत्तरी भारत के मैदानी क्षेत्रों के लिए उपयुक्त किस्म है।

• एन- 25 ।-1-

इस प्याज की उन्नत किस्म के सफ़ेद रंग के कंद होते है महाराष्ट्र गुजरात और राजस्थान में रबी मौसम में उगाने के लिए अच्छी किस्म है।

• अर्का कीर्तिमान

यह संकर किस्म है, इसके कंदों को काफी समय तक खराब हुए भण्डारण किया जा सकता है। यह निर्यात के लिए अच्छी किस्म है।

करेला : एक मुनाफे की खेती

आज के समय मे करेला एक मुनाफे की खेती है जिसकी बाजार मे अच्छे भावो के साथ हमेशा मांग रहती है । करेला मे शरीर की कई बीमारियों के इलाज के साथ औषधीय गुण भी पाए जाते है । देश का किसान आज के समय खेती को नए तौर-तरीकों से कर रहा है । किसान करेले की वैज्ञानिक खेती कर करेले की खेती से अच्छा लाभ कमा रहे है ।

देश के किसान ज्यादातर करेले की अगेती खेती और पछेती खेती कर अच्छा लाभ कमाते है । करेले की फसल एक ऐसी फसल है जो लगाने के ।0-85 दिन बाद अच्छी मात्रा मे फल देना शुरू कर देता है और कम से कम अगले 3-4 महीने तक उत्पादन देता रहता है ।

किसान आज के समय खेती फसल की जानकारी के साथ ही खेती करनी चाहिए जिससे कम लागत मे अच्छा लाभ कमा सके । आइए जानते है करेला की खेती, करेले की फसल । करेले की नर्सरी कैसे तैयार करें । बरसात में करेले की खेती । गमले में करेला कैसे लगाएं । करेला कब लगाया जाता है । करेले का बीज का रेट । बरसात में करेले की खेती । करेला की खेती के बारे मे सम्पूर्ण जानकारी -

करेले की वैरायटी / उन्नत किस्मे ?

देश मे प्रचलित प्रमुख करेला की उन्नत किस्मे जो निम्न है -

- अमन श्री
- पूसा दोमौसमी
- करेला-VNR
- कावेरी
- कल्यानपुर सोना
- कल्यानपुर वारामासी
- पूसा विशेष
- कोयम्बटूर लांग
- अर्काहरित
- पंत करेला संकर

करेले की नर्सरी कैसे तैयार करें ?

कई किसान करेले की, खेत मे सीधी बुआई कर देते है लेकिन नर्सरी विधि ज्यादा मुनाफा और रोगमुक्त मानी जाती है । यदि किसान खेती से अच्छा मुनाफा कमाना चाहता है तो किसान को पहले करेले की पौध तैयार करनी होगी ।

करेले की पौध तैयारी के लिए प्लांट ट्रे और कॉकपिट/ नारियल का बुरादा का प्रयोग करें जो कृषि दुकानों पर आसानी से मिल जाता है । यह प्रक्रिया अपने घर मे, पॉलिहाउस, नर्सरी मे उपयुक्त वातावरण/तापमान देकर तैयार कर सकता है ।

यदि किसान करेले की खेत मे सीधी बुआई करता है तो बीजों को 10 से12 घण्टे भिगोकर रखे । बुआई के 1 घण्टे पहले मेनकोजेब दवा से उपचारित करके बुआई कर दे । बीज की 2 से 2 .5 सेमी गहराई मे बुआई करए ।

आवश्यक जलवायु और मिट्टी ?

इस फसल को 15-35 डिग्री के बीच का तापमान अनुकूल माना जाता है । जलवायु गर्म और आर्द्र अनुकूल मानी जाती है ।

मिट्टी की बात करें तो अधिकतर काली दोमट मिट्टी, नमी मनाए रखने योग्य मृदा वाली भूमि में उपयुक्त मानी जाती है । काली मिट्टी, दोमट-मिट्टी, जलोढ़ मिट्टी इनमें पानी और खाद की बहुत ही कम आवश्यकता होती है । जबकि रेतीली-बलुई और लाल मिट्टी में पानी और खाद की आवश्यकता होती है किसान की लागत बढ़ जाती है ।

करेले की पौध तैयारी के लिए प्लांट ट्रे और कॉकपिट/ नारियल का बुरादा का प्रयोग करें जो कृषि दुकानों पर आसानी से मिल जाता है । यह प्रक्रिया अपने घर मे, पॉलिहाउस, नर्सरी मे उपयुक्त वातावरण/तापमान देकर तैयार कर सकता है ।

वैसे देश के सभी राज्यो मे सफलतापूर्वक करेले की उन्नत खेती की जाती है करेला की खेती का समय /करेला कब लगाया जाता है ?

ज्यादातर किसानो के मन मे रहती है की करेले की खेती किस महीने में करें या करेला किस महीने में बोया जाता है - मुख्य तौर पर करेला की खेती के लिए बुवाई साल में तीन बार कर सकते हैं जो शीत ऋतु, गर्मी और वर्षा ऋतु में होती है वैसे किसान ग्रीनहाउस या पॉलीहाउस में करेले की खेती करता है तो साल में कभी भी करेला खेती का तापमान बनाकर खेती कर सकता है ।

बरसात में करेले की खेती के लिए बुआई - जुलाई-अगस्त-सितंबर

गर्मी मे करेले की खेती की बुआई - नवंबर-दिसंबर-जनवरी

वैज्ञानिक विधि से किसान खेती करें तो कतार से कतार की दूरी । से 8 फीट की दूरी रखनी होती है तथा पौधे से पौधे की बात करें तो दो से ढाई फीट तक अंतराल होता है ।

(स्रोत- कृषि सहारा) -

बटन मशरूम की खेती

बटन मशरूम शीतकालीन छत्रक है, जो पमैदानी इलाकों में सर्दियों के मौसम अक्टूबर से मार्च में उगायी जाती है। इसकी उपज के लिए तापमान 16 से 25 डिग्री तापमान आवश्यक होता है। कवक जाल बढ़वार के लिए 20 से 25 डिग्री सेल्सियस तापमान उपयुक्त रहता है। फसल उत्पादन अवस्था के लिए 16 से 2 डिग्री सेल्सियस अत्यधिक अनुकूल रहता है।

बटन मशरूम की खेती एक विशेष विधि से तैयार की गई कम्पोस्ट खाद पर की जाती है। इस कम्पोस्ट को साधारण अथवा निर्जीवीकरण विधियों से बनाया जाता है।

साधारण विधि से कम्पोस्ट बनाने की तकनीक

साधारण विधि से कम्पोस्ट बनाने में 20 से 25 दिन का समय लगता है। 100 सेंमी लम्बी, 50 सेंमी चौडी तथा 15 सेंमी ऊची 15 पेटियों के लिए इस विधि से कम्पोस्ट बनाने के लिए सामग्री

1. धान या गेहूं का 10-12 सेंमी लम्बाई में कटा हुआ भूसा - 250 किलोग्राम
2. धान या गेहूं की भूसी - 20-25 किलोग्राम
3. अमोनियम सल्फेकट या कैल्शियम अमोनियम नाईट्रेट - 4 किलोग्राम
4. यूरिया - 3 किलोग्राम
5.जिप्सम - 20 किलोग्राम
6.मैलाथियॉन - 10 किलोग्राम

जिस स्थामन पर कम्पोस्ट तैयार करनी हो वहां पर गेहूं के भूसे की 8 से 10 इंच मोटी तह बिछाकर उसे पानी से अच्छी तरह से भिगो दें। पानी में भीगोने के लगभग 16 से 18 घंटे बाद उसमें जिप्सम तथा कीटनाशक को छोडकर बाकी सभी सामग्री अच्छी तरह से मिला दें। फिर उस सारी सामग्री का एक मीटर चौडा, एक मीटर ऊचा तथा समायोजित लम्बाई का ढेर बना दें। इस ढेर को प्रत्येक 3-4 दिन के अंतराल पर हवा लगाने के लिए फर्श पर खोलकर बिछा दें तथा आधा घंटे बाद दोबारा उसी आकार का ढेर बना दें।

अगर भूसा सूखा लगे तो उस पर हल्का पानी छिडककर गीला कर लें। तीसरी पलटाई के दौरान कुल जिप्सम की आधी मात्रा मिला दें। शेष बचे जिप्सम को चौथी पलटाई के दौरान भूसे में मिला दें। पॉचवी पलटाई के दौरान 10 मिलि लिटर मैलाथियान को 5 लीटर पानी में घोलकर भूसे पर छिडकाव करें तथा अच्छी तरह से मिलाकर फिर से ढेर बना दें। अगले 3 से 4 दिनों में कम्पोस्ट खाद पेटियों में भरने योग्य हो जायेगा मशरूम का उत्पादन अच्छी5 कम्पोस्ट खाद पर निर्भर करता है अत- कम्पोस्ट बनाते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए ।

निर्जीविकरण विधि से कम्पोस्ट खाद दो चरणों में लगभग 14-15 दिनों में तैयार होती है

पहला चरण इस विधि से कम्पोस्ट बनाने का पहला चरण साधारण विधि के समान ही है परन्तु इसमें पलटाई हर दूसरे दिन यानि लगभग 48 घंटे के बाद की जाती है तीसरी पलटाई में जिप्सम मिला दिया जाता है । 8 दिन बाद कम्पोस्ट दूसरे चरण के लिए तैयार हो जाती है ।

दूसरा चरण दूसरे चरण में कम्पोस्ट को सीधे ही या फिर पेटीयों में भरकर भाप द्वारा पहले से 45 डिग्री ताप पर गर्म किये हुए निर्जीविकरण कक्ष में रखते हैं। इसके बाद इस कक्ष की सभी खिडकीयॉं दरवाजें बंद कर दें तथा अगले 2-3 दिनों तक भाप से अन्दर का तापमान 57-58 डिग्री पर बनाएं रखें । तीसरे दिन 2 घंटे के लिए इस कक्ष का ताप 60 से 62 डिग्री पर स्थिर करें तत्पश्चापत कक्ष में ताजी हवा का प्रवाह बनाऐं तथा तापमान को धीरे-धीरे गिरकर 45 डिग्री तक आने दें । अगले 3-4 दिनों तक कम्पोस्ट को सामान्य ताप तक ठंडा होने दें । सामान्यक ताप पर आने पर कम्पोस्ट भरनें के लिए तैयार हो जाती है ।